तापमान

अधिकतम 40.2 डिग्री

न्यूनतम 28.2 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, बुधवार 10 जून 2026

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

14 पुलगांव नाले के नीचे वाहनों का कबाड़ डंप, किसका ...

15 टावर कंपनी की मनमानी से किसानों में आक्रोश...

10वीं-12वीं पास विद्यार्थी ध्यान दें- औद्योगिक सुरक्षा एवं अग्निशमन प्रशिक्षण द्वारा नौकरी सुनिश्चित करें...

भिलाई। संस्था फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण केंद्र निजी संस्थान है, भिलाई में रोजगार मुखी प्रशिक्षण हेतु भर्ती योग्यता 10वीं 12वीं एवं स्नातक एवं स्नाकोत्तर किसी भी संकाय आयु 17 से 40 वर्ष फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा डिग्री डिप्लोमा कार्यरत कर्मचारी पार्ट टाइम फुल टाइम प्रशिक्षण कर सकते है, मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान एवं रोजगार विकास हेतु पंजीकृत FSDMI BHILAI मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा विशेष प्रशिक्षण अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार उपलब्ध कराना है, फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा की नियुक्ति फायर स्टेशन, कारखाने, खदानों, माइनिंग, पावर प्लांट, कार्गो हब फैक्ट्री कारखाने सरकारी एजेंसी, इंश्योरेंस कंपनी एवं अन्य जगहों में फायर अधिकारी, ट्रेनर, फायरमैन, औद्योगिक सुरक्षा निरीक्षक, सेफ्टी मैनेजर, फायर सुपरवाइजर, टीम लीडर जैसे अन्य पदों हेतु अवसर मिलते हैं तथा भविष्य में पदोन्नति की भरपुर संभावनाएं होती है साथ ही फायर एवं सेफ्टी ऑफिसर स्वयं रोजगार के लिए समर्थ होते हैं अनुमानित जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में बने नए जिलों में अनुमानित लगभग 2000 फायरमैन एवं अग्निशमन वाहन चालक की भर्तियां आने की संभावना है, संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र-छात्राएं

विभिन्न कंपनियों जैसे रक्षा मंत्रालय भारत सरकार (DRDO), भिलाई स्टील प्लांट, रेल मंत्रालय ब्रेथवेट कंपनी लिमिटेड, पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, एवं अन्य कंपनियों में ठेकेदारी बेस से कार्यरत कर रहे है संस्था FSDMI भिलाई में चल रहे 6 माह, 1 वर्षीय, फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण की जानकारी सूचना केंद्र में बताई जाएगी, संस्था द्वारा उपलब्ध सुविधाएं प्रशिक्षण के दौरान आत्मनिर्भरता के लिए सुविधा अनुसार पार्ट-टाइम, फुल-टाइम नौकरी दिलवाने में सहायता की जाती है जिससे छात्र-छात्राएं अपनी प्रशिक्षण की शुल्क एवं रहने और खाने क्या खर्च स्वयं से निकाल सकते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों एवं सफल अभ्यार्थियों को सरकारी प्रमाण पत्र प्रदान किया जावेगा। प्रशिक्षण उपरांत छात्रों को निजी कंपनियों में नौकरी लगने में सहायता की जाती है, सभी जाति वर्ग के (SC, ST, OBC, GENERAL) संस्था के द्वारा प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी। **अधिक जानकारी के लिए-**

पता: फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, (निजी संस्थान) इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, नजदीक गदा चौक, सुपेला भिलाई, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क करें: मो. 7697212782

Advt.

खबर संक्षेप

अवैध शराब बेचते गिरफ्तार, भेजा जेल

भिलाई। अवैध शराब बेचते एक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वैशाली नगर पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर अर्जुन नगर शीतला मंदिर रोड पुलिया के पास दबिश देकर कैम्प-1 स्टील नगर निवासी एम जगीदश को पकड़ा गया। उसके पास से 4 बोतल देशी मसाला शराब, 16 पौवा देशी मसाला शराब बेचे गए रकम 4,700 रुपये बरामद की गई।

धारदार हथियार लहराने वाले को पुलिस ने पकड़ा

भिलाई। धारदार हथियार लहराने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर हरा मैदान, कॉन्ट्रेक्टर कॉलोनी के पास दबिश देकर धारदार लहरेन वाले कंट्रेक्टर कालोनी निवासी आशु उर्फ अमनदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया. उसके पास से पुलिस ने उसके कब्जे से 12 इंच लंबा धारदार लोहे का हथियार बरामद किया।

मंगलवार को मोबाइल टीम ने लगाया शिविर, हेल्थ विभाग ने किया घर-घर सर्वे

सेक्टर-7 में फिर पीलिया की दस्तक, पांच नए मरीज मिले, दस से 12 लोग प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

मानसून की आहट के बीच बीएसपी टाउनशिप के सेक्टर 7 में फिर से पीलिया ने दस्तक दे दी है। घरों में दूषित पानी की सप्लाई से सड़क 40 से 44 के बीच पीलिया के मरीज मिल रहे हैं। पांच नए मरीजों के अलावा पिछले महीनेभर के दौरान सेक्टर 8 में पचास से साठ लोग पीलिया से प्रभावित हो चुके हैं। गुस्साए क्षेत्रवासियों ने आज वार्ड पार्षद लक्ष्मीपति राजू के साथ बीएसपी के नगर सेवाएं विभाग के सीजीएम से मिलकर दूषित पानी की सप्लाई से अवगत कराने तत्काल पाइप लाइन बदलने की मांग की। राहद का आश्वासन मिला है। इधर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सजग से दूसरे दिन सजग होकर घर घर सर्वे के साथ मोबाइल मेडिकल यूनिट शिविर से प्रभावित की जांच की जा रही है। बीएसपी ने पाइप लाइन बदलने व सर्वे की भरोसा दिलाया है।

गौरतलब हो कि महीनेभर पूर्व सेक्टर 7 में सड़क 37 ए, बी व सी में पीलिया के 30 मरीज मिले थे। प्रकोप के बाद क्षेत्रवासियों की शिकायत बाद बीएसपी द्वारा यहां नाले के किनारे पुरानी पेयजल व सीवेज पाइप लाइन बदल कर नई पाइप लाइन बिछाई गई थी। लेकिन इसके बाद यह जानलेवा बीमारी लगातार बढ़ते हुए अब सेक्टर 7 में ही सड़क 41,42, 43 और 38,39 31 व सड़क 32 में पीलिया प्रभावित मिल रहे हैं। अब पीलिया के 5 नए मरीज मिले हैं। क्षेत्रवासियों व पार्षदों के मुताबिक घरों में गंदे व दूषित पानी की लगातार सप्लाई होने से पिछले डेढ़ महीने के दौरान 60 से 70 पीलिया के मरीज मिल चुके हैं। इनमें अधिकतर स्वस्थ हो चुके हैं जबकि कुछ मरीजों का इलाज चल रहा है। अभी 12 से 15 लोग पीलिया से प्रभावित हैं। इनमे अंगद पाल सिंह पिता अजीत सिंह का हाईटेक अस्पताल में भर्ती है। अभिजीत सिंह 29 वर्ष, लक्ष्य 14, कबीर, दक्ष ध्रुव, आर्यन देवांगन 19, रश्मिता 26, साईप्रिया, पारोबती 18 व देवाशीष 17 निजी डांक्टरों, रामकृष्ण व शंकरा अस्पताल में इलाज करवा रहे हैं।

मिला आश्वासन

लक्ष्मीपति राजू ने पीलिया से प्रभावित क्षेत्र का दौरा बाद क्षेत्रवासियों के साथ आज नगर सेवाएं विभाग के मुख्य महाप्रबंधक से मिलकर गंदा पानी आने से लगातार पीलिया फैलने की शिकायत की। जल्द सीवेज व पेयजल पाइप लाइन बदलने की मांग की। क्षेत्र सीजीएम को बताया कि क्षेत्र में पिछले कई दिनों से प्रदूषित पेयजल की आपूर्ति होने से 12 से 15 बच्चे पीलिया से प्रभावित हुए हैं। दूषित जल की समस्या के संबंध में पूर्व में भी संबंधित विभाग का ध्यान आकृष्ट कराया गया था, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से पीलिया की समस्या बनी हुई है। पाइपलाइन की तकनीकी जांच कराने, जर्जर पाइपलाइन को तत्काल बदलने तथा प्रभावित नागरिकों के चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की। सीजीएम ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सर्वेक्षण व राहत के निर्देश दिए।

लक्ष्य की लिवर पर असर, आर्यन भी बेड पर

दूषित पानी से पीलिया के बैक्टीरिया बच्चों के रक्त में खुल रहे हैं। सड़क 42 क्वां. 1-ए निवासी लक्ष्य सिंह 13 वर्ष पिता राजेश सिंह का इलाज रामकृष्ण अस्पताल रायपुर में चल रहा है और जांच के बाद डांक्टरों ने लिवर ट्रांसप्लांट बदलने डोनर खोजने तक पालक को कह दिया था। मीडियाकर्मी राजेश सिंह ने बताया कि उनके बेटे लक्ष्य को पहली बार 23 मई को अस्वस्थ होने पर दुर्ग व बीएमशाह में भर्ती कर टेस्ट कराने पर आईएनआर बढ़ा बताकर गंभीर बताया गया। रामकृष्ण अस्पताल में हेपेटाइटिस ए पीलिया पाजिटिव के साथ आईएनआर 2.8 तक पहुंचने पर 9 दिन भर्ती कर डांक्टरों ने लिवर ट्रांसप्लांट कराने कहा था। इलाज चल रहा है और सुधार हो रहा है। कल बुधवार को बेटे को फिर टेस्ट कराने ले जाएंगे। इसके अलावा वर्तमान में पीलिया से बेड पर होने के चलते एक बच्चा तो नीट की दोबारा परीक्षा केसे देगा, इसे लेकर बीमारी व भविष्य को लेकर चिंतित हैं। सड़क 43 क्वां. 1- बी निवासी आर्यन देवांगन 19 वर्ष की मां श्रीमती देवांगन ने बताया कि हमें अब बेटे के इलाज के साथ बेटे के भविष्य की भी चिंता है।

कर रही है पानी की जांच

सेक्टर 7 के पीलिया प्रकोप प्रभावित क्षेत्र में गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सर्व के साथ एममएमयूनिट वैन के साथ शिविर भी लगाया है। एक टीम घर घर लोगों का सवे कर पानी के नमूने की जांच कर रही है तो दूसरी टीम मोबाईल मेडिकल वैन में शिविर लगाकर प्रभावित को जांच कर रही है। टीम के मुताबिक अधिकतर पुराने मरीज हैं और सड़क 42 से 45 तक व प्रदूषित पानी से बीमारी फैलने का अंदेश है। सवे व शिविर टीम में सुपरवाईजर रोहित कुमार, आरएचओ पंकज राठौर, एमपीडब्ल्यू पंकज सिंह, रमाशंकर यादव, डां. जीतेश पाल,वंदना भारद्वाज, मंजू शामिल हैं। वार्ड 67 के पार्षद के उमेश साहू ने बताया कि सड़क 41 से 44 में सीवेज व पेयजल लाइन पुरानी होनेसे घरों में गंदा व दूषित पानी आने से पीलिया घर घर में फैल रहा है। पिछेल डेड़ माह में 60 से 7 0 लोग प्रभावित हैं। वार्ड 68 के पार्षद लक्ष्मीपतिन ने बताया कि सीजीएम ने कल से पाइप लाइन बदलने का आश्वासन दिया है। ऐसा नहीं होने पर क्षेत्रवासी आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

थाना परिसर में मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप, पुलिस ने अपराध दर्ज कर शुरू की जांच

नपा अमलेश्वर के पूर्व अध्यक्ष उमेश, उसकी पत्नी और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई/ पाटन

अमलेश्वर थाना क्षेत्र में थाना परिसर के भीतर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है।

पीड़ित हेमंत साहू ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि 8 जून को दोपहर करीब 12 से 12:30 बजे के बीच अमलेश्वर थाना परिसर में उसके साथ मारपीट की गई। शिकायत के अनुसार, हेमंत साहू अपने चाचा मोरध्वज साहू (मोनू) की जमानत संबंधी कार्य के लिए थाना पहुंचे थे। इसी दौरान अनिता साहू, उनके पति उमेश साहू तथा उनके साथ मौजूद अन्य लोगों ने गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्कों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। बता दे कि उमेश साहू नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के पूर्व उपाध्यक्ष भी रहे है। आवेदक ने बताया कि घटना को थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों एवं अन्य लोगों ने भी देखा।

मामले की लिखित शिकायत पुलिस को सौंपे जाने के बाद पुलिस ने प्रथम दृष्टया अपराध पाए जाने पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 351(2), 115(2) एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और संबंधित पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। थाना परिसर में हुई इस घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जय जलाराम दुकान को भी तोड़ा

शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण ध्वस्त, निगम की बड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई।

निगम की संयुक्त टीम ने मंगलवार को अवैध निर्माण को ध्वस्त कर अतिक्रमण हटाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपेश कुमार नथवानी द्वारा अपने 650 वर्गफीट रजिस्ट्री क्षेत्रफल के अतिरिक्त शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण किया गया था। इस संबंध में प्रस्तुत अभ्यावेदन को जिला नियमितीकरण समिति एवं आयुक्त राजस्व संभाग स्तर पर निरस्त कर दिया गया था। निगम के जोन-2 वैशाली नगर राजस्व विभाग द्वारा संबंधित निर्माणकर्ता को कई बार नोटिस जारी कर रजिस्ट्री क्षेत्र से अतिरिक्त शासकीय भूमि पर किए गए निर्माण को स्वयं हटाने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही समय-समय पर निगम को इसकी जानकारी देने के लिए भी कहा गया था, लेकिन निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाया गया।

मंगलवार को जोन-2 वैशाली नगर के राजस्व विभाग, बेदखली विभाग तथा पुलिस बल की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे ध्वस्त कर दिया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र से चुनाव लड़ी रिसाली पार्षद पार्वती को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर चुनाव लड़ने के मामले में दुर्ग संभाग आयुक्त ने रिसाली निगम वार्ड क्रमांक 38 स्टोर पारा पुरैना की वर्तमान पार्षद कुमारी पार्वती महानंद को नोटिस जारी किया है। पार्षद को छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा-19 (1) (अ-1) के तहत 25 जून तक अपना जवाब प्रस्तुत करने का अंतिम अवसर दिया है।

- संभागायुक्त ने 25 जून तक जबाव मांगा

वर्ष 2021 के नगरीय निकाय चुनाव में कुमारी पार्वती महानंद ने रिसाली निगम के वार्ड क्रमांक 38 (आरक्षित सीट) से स्वयं को गांडा जाति अनुसूचित जाति का बताकर चुनाव लड़ा था और विजयी हुई थीं। रिसाली भिलाई निवासी राहुल वर्मा आत्मज बिसेन्द्र कुमार वर्मा ने उनके जाति प्रमाण पत्र पर आपत्ति जताते हुए तहसीलदार कार्यालय कोमाखान (जिला-महासमुंद) में शिकायत दर्ज कराई थी।

जांच मे फर्जी जाति प्रमाण पत्र का खुलासा

आवेदक की शिकायत पर हुई उच्च स्तरीय जांच के बाद, जिला स्तरीय जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति ने 7 मई को अपनी रिपोर्ट सौंपी। समिति ने पाया कि पार्षद पार्वती महानंद का जाति प्रमाण पत्र पूरी तरह फर्जी है और इसे अवैध दस्तावेजों के सहारे हासिल किया गया था। अपर कलेक्टर जिला-महासमुंद द्वारा 19 मई को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बागबाहरा को भेजे गए पत्र में भी इस बात की पुष्टि की गई कि न्यायालय तहसीलदार कोमाखान के जांच प्रतिवेदन के अनुसार पार्वती महानंद (मूल निवासी खेमड़ा, बागबाहरा) ने कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर यह प्रमाण पत्र बनवाया था।

बीएसपी से कॉपर पार, गिरफ्तार

भिलाई। बीएसपी में घुसकर कॉपर चोरी करने वाले चार युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई ने पुलिस में शिकायत किया कि ओएचबी जंक्शन 2-3 प्रोजेक्ट स्टोर के पीछे स्थित से 65-65 किलोग्राम स्क्रैब कॉपर तार के दो बंडल कुल 130 किलोग्राम चोरी हो गया है। पुलिस मामले को लेकर जांच में जुट गई। जांच में डाक बंगला उत्कल चौक पुरैना निवासी आरोपी सुनील कुमार को संदेह के रुप में हिरासत में लिया गया। पूछताछ करने पर अपने अन्य साथी उमेश बाग,यमन उर्फ अमन बेहरा, संदीप कुमार के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों के पास से पुलिस ने 130 किलो ग्राम स्क्रैब कॉपर तार बंडल जब्त किया गया। उक्त सामान की कीमत 97 हजार 500 रुपये आंकी गई है। कार्रवाई में भट्ठी थाना प्रभारी प्रकाशकांत समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

भतीजे के साथ मिलकर पति की हत्या करनेवाली को उम्र कैद

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

चरित्र संदेह पर नशे की हालत में झगड़ा करने और घर खर्च के लिए पैसा नहीं देने को लेकर उपजे विवाद में एक पत्नी ने अपने भतीजे के साथ मिलकर पति संतोष कुमार साहू की गला घोंटकर हत्या कर दी। घटना नेवई थाना अंतर्गत बीआरपी कॉलोनी मरोदा की है। मामले में कोर्ट ने आरोपी पत्नी उमा बाई (42 वर्ष) और उसके भतीजे लाकेश्वर उर्फ लक्की (19 वर्ष) को धारा 302 और 120 बी में आजीवन कारावास से दंडित किया। साथ ही क्रमशः 500 और 200 रुपए का अर्थदंड भी लगाया। राशि अदा नहीं करने पर आरोपियों को छह और दो माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। न्यायाधीश दीपक कुमार कोशले के न्यायालय से यह सजा सुनाई गई।

- न्यायाधीश दीपक कुमार कोशले के न्यायालय से आया फैसला

प्रकरण के मुताबिक घटना 28 मई 2023 को रात करीब 12 बजे की है। आरोपी उमा बाई का पति संतोश कुमार से अक्सर झगड़ा हुआ करता था। उस रात भी कहासुनी हुई। इसके बाद आरोपी उमा ने अपने भतीजे लाकेश्वर के साथ मिलकर पहले मृतक संतोष को शराब पिलाई।

उसके सोने के बाद चादर, तकिए और अन्य माध्यमों से गला घोंटकर संतोष को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने अपराध दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया। दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। केस के विचारण के बाद दोनों आरोपियों पर दोष सिद्ध पाया गया। आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। मामले में शासन की तरफ से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक नंदिनी चंद्रवंशी ने की।

आए दिन मारपीट की घटनाएं, नशे में धुत पड़े रहते हैं अहाता के आसपास पियक्कड़

चखना सेंटर के बाहर छलकाए जा रहे जाम, बिना अनुमति चल रहा कारोबार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सरकारी चकना सेंटर के पास अवैध रूप से शराब झलकाए लोग दिखाई देते हैं। जबकि सरकार ने बकायदा टेंडर निकालकर चखना सेंटर साल भर के लिए दिया गया है। इसके बावजूद आबकारी विभाग के मेहरबानी के बिना बेखौफ शराब नहीं पिलाई जा सकती।

इसका बड़ा उदाहरण सिविक सेंटर शराब दुकान के पास लगने वाले ठेलो, खोमचे चखना सेंटर के बाहर लगे हुए है। जहां अवैध रूप से जाम झलकाने की अलग व्यवस्था बनी हुई है। इससे आबकारी विभाग को लाखों रुपए का राजस्व का नुकासन हो रहा है। इसे लेकर जिला आबकारी और एसपी को लिखित में शिकायत की गई है। राज्य सरकार ने जिले के चखना सेंटर चलाने वालों के लिए बकायदा टेंडर निकाला था। लाखों रुपए लगाकर चखना सेंटर लेने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर सिविक सेंटर में चल रहे चखना सेंटर के बाहर दर्जन भर से अधिक अवैध ठेला खोमचा लगा हुआ है। जहां पानी पाउच, चखना के आड में शराब पिलाने की व्यवस्था बनाकर रखी गई है।

बाहर में खोलकर रखे गए अवैध ठेला खोमचे में छिपकर शराब पीने वालों के कारण कई बार विवाद, मारपीट की भी घटना की शिकायत पुलिस में आ चुकी है। बावजूद पुलिस भी इनके खिलाफ कड़ा रुख नहीं अपना पाता है। मामले को लेकर जिला आबकारी अधिकारी सीआर साहू को कॉल करने पर उन्होंने फोन रिसीव तक नहीं किया है। इससे समझ आता है कि जिले में आबकारी विभाग की लचर व्यवस्था कैसी है।

अवैध ठेलों की भरमार, न कोई जांच न कार्रवाई

सिविक सेंटर, नेहरु नगर, भिलाई तीन, कुम्हारी, सुपेला, पाटन, रिसाली, धनोरा, दुर्ग, रसमड़ा समेत आसपास के कई सरकारी चखना सेंटर खुला हुआ है। लेकिन उसके बाहर अवैध रुप से ठेला, पान दुकान, खोमचों में भी चखना का सामान बेचा जाता है। इसके अलावा शराब लेकर पहुंतचने वालों तक को छिपकर शराब पीने के लिए भी व्यवस्था होती है। इस कारण सड़क में भीड़-भाड़ बढ़ जाकी है आने जाने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस पूरे मामले में जिला का अबकारी अमला का बड़ा रोल होता है। देखने व शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

की जाती है कार्रवाई

अवैध रूप से चखना सेंटर संचालित करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाती है। शिकायत मिली है, कार्रवाई की जाएगी। अवैध चखना सेंटर चलाने वालों के खिलाफ विभाग सख्त है।

-पंकज कुजूर, एडीओ, आबकारी विभाग दुर्ग

खबर संक्षेप

प्राणघातक हमला करने वाले पुलिस की गिरफ्त में

भिलाई। मामूली विवाद के चलते कैरम सेंटर में युवक पर प्राणघातक हमला करने वाले 6 युवक और 2 अपचारी बालक को गिरफ्तार किया है।छावनी पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर मोहम्मद वसीम ने शिकायत किया था कि वह अहमद नगर कैम्प 2 में स्थित कैरम सेंटरमें बैठा था। तभी सिगरेट मांगे जाने पर दुकान संचालक से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि पीड़ित के साथ आरोपियों ने साथ गाली-गलौज मारपीट करने पर उतारु हो गए। पुलिस जांच में आरोपियों में कैम्प दो निवासी शहनवाज कुरैशी उर्फ शानु उर्फ अण्डा,शेख अनिस, मोहम्मद जाकिर,शोएब अख्तर,मोहम्मद अली उर्फ लल्लू कुरैशी उर्फ पप्पू ,गौरव चौधरी उर्फ उल्लू समेत दो अपचारी बालक शामिल होने की जानकारी मिली। पीड़ित को हमला में युवकों ने हत्या करने का प्रयास में नुकीली धारदार वस्तु से हमला किया था। मामले में पुलिस ने कुछ आरोपियों को पहले भी पकड़ चुकी थी। फरार आठ को पुलिस ने अभी गिरफ्तार किया है।

रवेली के आसपास की जमीन की खरीदी-बिक्री पर रोक

दुर्ग। अचानकपुर जलाशय परियोजना के अंतर्गत ग्राम रवेली तहसील पाटन की चिन्हित भूमि पर जमीन संबंधी लेनदेन पर अस्थाई प्रतिबंध लगाया गया है। अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी पाटन के पत्र के आधार पर छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देशों के परिपालन में यह आदेश जारी किया गया है। आदेशानुसार ग्राम रवेली स्थित खसरा नंबर 644, 645, 646, 650, 651/1, 651/2, 654, 656, 658, 671/2, 671/3, 672, 673/1 एवं 673/2 की भूमि पर तत्काल प्रभाव से खरीदी-बिक्री, डायवर्सन, बटांकन तथा अन्य भूमि हस्तांतरण संबंधी कार्यों पर आगामी आदेश तक अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

आपातकालीन उपचार योजना का मिलेगा लाभ

दुर्ग। पीएम राहत भारत सरकार की एक कैशलेस आपातकालीन उपचार योजना है। प्रायः देखा गया है कि दुर्घटना पीड़ितों का सही समय पर इलाज नही मिलने के कारण मृत्यु हो जाती है, जिसे गोल्डन हावर कहा जाता है, यह योजना समाज के सभी वर्गो के लिए है। जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी सड़क दुर्घटना में पीड़ति की मृत्यु केवल पैसों की कमी या समय पर इलाज न मिलने के कारण न हो, पीएम राहत योजना सड़क दुर्घटनाओं के घायल के लिए भारत सरकार की एक कैशलेस आपातकालीन उपचार की योजना है। दुर्घटना के पहले 7 दिनों तक या 1.5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सरकार के सहयोग से मेडिकल ट्रीटमेंट किसी भी पंजीकृत अस्पताल में कराया जा सकता है। दुर्घटना के 7 दिनों तक या 1.5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलता है। 9 प्रकरण का सफलता पूर्वक भुगतान किया जा चुका है।

रिसाली से बोरसी होकर पोटिया से गुजरने वाले पुलगांव नाले की सफाई अब शुरू

पुलगांव नाले के नीचे वाहनों का कबाड़ डंप किसका ? दुर्ग निगम को पता नहीं, अब कार्रवाई की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

मानसून से पहले नाले की सफाई को लेकर निगम ने किया 43 लाख का सफाई ठेका

मानसून का आगमन लगभग होने को है। मौसम विभाग की मानें तो अगले तीन से पांच दिन में मानसून दुर्ग पहुंच जाएगा। इस बीच अब तक शहर के प्रमुख नालों और बड़ी नालियों की सफाई का काम अधूरा है। निगम ने करीब 43 लाख रुपए में नालों और बड़ी नालियों की सफाई का ठेका दिया है। 10 दिन पहले काम शुरू किया गया, लेकिन अब तक शुरुआत नहीं हो पाई है। पुलगांव नाला में सफाई कार्य मंगलवार को शुरू हुआ। बता दें कि इसके आसपास जलकुंभी की भरमार है। 10 दिन से पहले इसकी सफाई संभव नहीं है। इसके अलावा नाले की नीचे बड़ी मात्रा में वाहनों का कबाड़ डंप है, यह कबाड़ किसका है, इस बारे में भी निगम के पास जानकारी नहीं है। इन सबके बीचे जलकुंभी एक बड़ी समस्या है। हर साल इसकी वजह से शहर में पेयजल की आपूर्ति प्रभावित होती है। बावजूद इसके स्थानी समाधान नहीं खोजा गया है।

पिछले 5 दिनों से शहर में शाम के समय पेयजल आपूर्ति रोककर 24 एमएलडी इंटकवेल में साइफन के आसपास लोहे की जाली लगाई जा रही है, ताकि बारिश के दिनों में जलकुंभी और अन्य कचरा न फंसे। इस बीच नाले से जलकुंभी हटाने का काम भी शुरू किया गया है। महापौर अल्का बाघमार ने इसका निरीक्षण भी किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तत्काल इस काम को पूरा किया जाए। महापौर सहित आयुक्त सुमित अग्रवाल ने वार्ड क्रमांक 36 के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण कर नाला-नाली सफाई, पेयजल व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने तथा मानसून पूर्व तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु के पूर्व सभी प्रमुख नालों एवं नालियों की सफाई प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण की जाए, ताकि जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो तथा नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके।

नालों के आसपास पाए गए कचरा अवरोध, सफाई के निर्देश

इधर महापौर एवं आयुक्त ने गंजपारा गली नंबर-1 में स्थित छोटी नाली का अवलोकन कर उसकी शीघ्र सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कहा कि नागरिकों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए जल टंकियों की नियमित सफाई एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। महापौर अलका बाघमार ने क्षेत्र के निवासियों से सीधे संवाद कर घरों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति का जायजा लिया तथा यह सुनिश्चित किया कि नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो रहा है। निरीक्षण के दौरान नाला सफाई कार्यों का अवलोकन करते हुए कुछ स्थानों पर नालों के आसपास कचरा एवं अवरोध पाए गए, जिससे जल निकासी प्रभावित होने की संभावना थी। इस पर महापौर ने संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए तथा कहा कि बरसात के दौरान जलभराव से बचने के लिए नालों को अतिक्रमण मुक्त रखना आवश्यक है।

शंकरनाला, केलाबाड़ी नाला, गिरधारी नाला की सफाई अधूरी, कचरा निकाल किनारे फेंका

जानकारी के मुताबिक शहर में नालों की सफाई का कार्य किया जा रहा है, इसमें शंकरनाला, केलाबाड़ी, गिरधारी नाला सहित अन्य नालों और बड़ी नालियों की सफाई का कार्य किया जा रहा है, लेकिन अब भी 40 प्रतिशत से ज्यादा का काम शेष है। शंकर नगर नाला का मालवीर नगर, संतराबाड़ी, सिंधी कॉलोनी का क्षेत्र अब भी साफ नहीं हुआ है। गिरधारी नाला को गिरधारी नगर के आसपास साफ किया गया है, लेकिन कचरा नाले के किनारे ही छोड़ दिया गया है। इस वजह से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। इसके अलावा केंद्रीय जेल के बाजू से गुजरने वाली मालवीय नगर चौक सड़क पर घटिया ड्रेन का निर्माण किया गया है। इसमें कई जगहों पर कचरा और मलबा डंप है। बारिश के दिनों में इसकी वजह से परेशानी बढ़ने की संभावना बनी हुई है।

कंडम गाड़ियों को हटाने और जब्ती बनाने के निर्देश

गंजपारा स्थित स्टेट बैंक के पीछे बने कॉम्प्लेक्स के पास निरीक्षण के दौरान दुकान के सामने खड़ी अनुपयोगी एवं कंडम गाड़ियों को हटाने तथा उस स्थान पर वृक्षारोपण कराने की बात कही गई। वहीं गंजपारा रोड स्थित दुकानों के सामने नालियों के ऊपर बनी फ्लोरिंग के बीच-बीच में जालीदार चेम्बर निर्माण कराने के निर्देश दिए गए, ताकि भविष्य में नालियों की नियमित सफाई सुगमता से की जा सके। निरीक्षण के दौरान महापौर ने स्वयं उपस्थित रहकर नाली सफाई कार्य करवाया तथा सफाई व्यवस्था की निगरानी की। सत्ती चौरा के निकट सड़क पर भवन निर्माण मलबा पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी कर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। वहीं गंजपारा गली नंबर-1 में खराब पड़े बोर को सुधारने तथा आवश्यक स्थानों पर नई नाली निर्माण कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। इसके अलावा बांधा तालाब से जुड़े नाले की विशेष सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान लोक कर्म विभाग प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी निलेश अग्रवाल, पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उप अभियंता विनोद मांझी, शोएब अहमद, अभ्युदय मिश्रा सहित अन्य मौजूद थे।

5 दिन से 15 हजार की आबादी को नहीं मिल रहा शाम के समय पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

शहर में पिछले पांच दिनों से वार्ड-17, 18, 24, 25, 27 सहित अन्य वार्डों में पेयजल को लेकर लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना करना पड़ रहा है। बिना पूर्व जानकारी दिए निगम का जलकार्य अमला सप्लाई रोक दे रहा है। इसकी वजह से लोग इस भीषण गर्मी के बीच पानी को लेकर परेशान हो रहे हैं। नलघर में शिकायत करने वालों को सही जानकारी तक नहीं दी जा रही है। अफसर से लेकर अन्य कर्मचारी जनप्रतिनिधियों को भी वास्तविक जानकारी नहीं दे रहे हैं। इसकी वजह से समस्या का पता भी नहीं चल पा रहा है। जानकारी के मुताबिक 24 एमएलडी के इंटकवेल में पिछले 5 दिनों से गोपनीय तरीके से काम किया जा रहा है। यहां बारिश के दिनों में जलकुंभी की वजह से सामने आने वाली परेशानियों से बचाव को लेकर नदी के हिस्से में जालियां लगाई जा रही है, ताकि जलकुंभी न फंसे। इसके लिए 24 एमएलडी फिल्टर प्लांट में पर्याप्त मात्रा में रॉ वॉटर की सप्लाई नहीं हो पा रही है। एक टाइम वह भी सुबह के समय ही महज 15 से 20 मिनट पानी दिया जा रहा है। कुछ जगहों पर 5 मिनट ही पानी पहुंच रहा है। अधिकारियों ने बताया कि उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में ही यह पूरा कार्य किया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों को भी वस्तु स्थिति की जानकारी दी गई है। काम लगभग पूरा हो चुका है। 10 जून से दोनों टाइम मिलने लगेगा। इसके बाद किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

- साइफन के आसपास लगाई जा रही जाली

पौने 2 करोड़ खर्च के बाद भी समस्या का समाधान नहीं

बता दें कि निगम ने जलकुंभी से निपटने के लिए करीब 2.75 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसमें करीब 1.25 करोड़ रुपए से पॉन्ड क्लीनर, चेन माउंटेन से लेकर अन्य की खरीदी की है। ताकि जलकुंभी को हटाया जा सके। इसके अलावा नालों की सफाई के नाम पर 43 लाख का टेंडर निकाला है। इसके बाद मछुवारों और अन्य की मदद से पुलगांव नाला की सफाई कराई जा रही है। इधर इंटकवेल में जलकुंभी हटाने के नाम पर भी खर्च किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि पॉन्ड क्लीनर को नाले में नहीं उतारा जा सकता। पुलगांव नाले की सफाई मशीनों से नहीं हो सकती। इसलिए मछुवारों को काम पर लगाया गया है।

सीएम हेल्पलाइन 1076 लॉन्च, सारे अफसर हो जाएं अपडेट, लापरवाही पर सीधे कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को समयावधि में प्रकरण निराकृत करने के कड़े निर्देश दिये। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन 1076 अपडेशन की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन लांच हो रही है। इसके लिए पूर्व में आप सभी को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जो भी एल-1 अधिकारी है, वह सभी अपनी आईडी तैयार कर उसमें लॉगिन हो जाएं। मोबाइल नंबर आदि अपडेट कर लें। सीएम हेल्पलाइन लांचिंग उपरान्त नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें तथा प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का निराकरण गुणवत्तापूर्वक सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने अवगत कराया कि मुख्यमंत्री द्वारा इसकी साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी। इसमें किसी भी स्तर पर किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि लॉगिन आईडी, डेसबोर्ड इत्यादि किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर ई-डिस्ट्रिक मैनेजर से संपर्क कर अपडेशन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन और शिकायत प्रबंधन प्रणाली छत्तीसगढ़ सरकार की एक प्रमुख पहल है। जिसे सुशासन और अभिकरण विभाग अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य नागरिकों को अपनी शिकायतें दर्ज कराने सरकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी प्राप्त करने तथा शिकायतों का निराकरण हेतु एकीकृत, सुलभ और विश्सनीय माध्यम प्रदान करने विकसित की गई है।

स्कूल खुलने के साथ बच्चों को लेकर करें प्लानिंग

कलेक्टर ने कहा कि आगामी दिनों स्कूल खुलने पर बच्चों के एमबीयू के लिए ईडीएम के साथ प्लानिंग करने तथा ऐसे बच्चे जिसके जाति प्रमाण पत्र नहीं बने है, उनके सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने डीईओ को निर्देशित किया। उन्होंने समितियों से धान उठाव और लेखा मिलान शीघ्र पूर्ण करने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में वनमंडलाधिकारी दीपेश कपिल, एडीएम वीरेन्द्र सिंह, जिला पंचायत के सीईओ बजरंग दुबे, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमीत अग्रवाल, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम भिलाई-3 चरौदा के आयुक्त दशरथ राजपूत, नगर निगम रिसाली की आयुक्त मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ एवं समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन आम लोगों तक सुशासन पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम बनेगी। इसलिए सभी विभाग शिकायतों का तय समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

ईंट भट्ठों का अवैध संचालन, तालाबों के आसपास की खोदी जा रही मिट्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

चिंगरी, थनौद और अंजोरा-खपरी गांव में अवैध ईंट भट्ठों का संचालन किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इतना ही नहीं इसके लिए तालाबों के आसपास की मिट्टी खोदकर निकाली जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी शिकायत कलेक्टर अभिजीत सिंह से की है। ग्रामीणों कहा है कि ईंट बनाने वाले चिंगरी में सिंचाई के लिए उपयोगी छोटे शासकीय तालाब किनारे से सटकर मिट्टी और राबिस डालने का कार्य कर रहे हैं। इस भराव से तालाब के जलभराव क्षेत्र के प्रभावित होने की आशंका है। तालाब से आसपास के खेतों में सिंचाई होती है, निस्तारी में उपयोग लाया जाता है। इसी प्रकार अंजोरा-खपरी में मौसमी नाले के निकट ईंट भट्ठा संचालित हैं। ग्राम पंचायत स्तर से इसे अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी नहीं किया गया है। नाले के किनारे निर्माण से बरसात में जल प्रवाह बाधित होने की आशंका है। ग्राम थनौद में भी संचालित भट्ठे के पास खनिज विभाग की वैध लीज और रॉयल्टी भुगतान के प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। परंपरागत रूप से अपने उपयोग के लिए सीमित मात्रा में ईंट निर्माण की छूट का प्रावधान है। मगर तीनों गांवों में इस प्रावधान की आड़ में बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के तहत व्यावसायिक प्रयोजन से ईंट निर्माण के लिए खनिज साधन विभाग से लीज, ग्राम पंचायत की अनापत्ति, राजस्व विभाग की अनुमति तथा पर्यावरण संरक्षण मंडल से सहमति लेना अनिवार्य है। नियमों के अनुसार किसी भी शासकीय जल स्त्रोत की सीमा से निर्धारित दूरी के अंदर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के निर्माण कार्य प्रतिबंधित है।

- न पर्यावरण विभाग गंभीर, न ही खनिज विभाग ध्यान दे रहा

विद्युत यांत्रिकी ठेकेदार संघ का गठन, भोसले बने अध्यक्ष

दुर्ग। प्रदेश के विद्युत एवं यांत्रिकी ठेकेदारों के हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान तथा शासन एवं विभाग के समक्ष उनकी मांगों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत यांत्रिकी ठेकेदार संघ का गठन किया गया। संरक्षक मंडल में मूलचंद भंसाली, प्रमोद कुमार कौशल, शरद शर्मा शामिल किए गए हैं। अध्यक्ष संदीप भोसले को बनाया गया है।कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी नूतेंद्र साहू और सागर शर्मा को सौंपी गई है। महासचिव किरण कुमार दत्तानी, सह सचिव आलोक सोढ़ी, कोषाध्यक्ष अश्वनी कुमार साहू, उपाध्यक्ष भूपेंद्र देवांगन, डीएम झा, अभय सिंह, सौरभ डहरिया बनाए गए हैं। कार्यकारिणी सदस्य अफसर अली, गोविंद अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद शुक्ला,

विधिक सलाहकार प्रशांत डागा नियुक्त किए गए हैं। बैठक में विद्युत एवं यांत्रिकी ठेकेदारों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रमुख रूप से लंबित भुगतान, बिलों के समयबद्ध निराकरण, विद्युत कार्यों में एस्केलेशन का लाभ, पीजी, एसडी, ईएमडी की वापसी तथा बाजार दरों के अनुरूप एसओआर संशोधन जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने भाजपा चलाएगी मुहिम

दुर्ग। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा ने कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने अभियान शुरू किया है।12 साल बेमिसाल सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत मरोदा-पुरैना एवं रिसाली मंडल की बैठकें आयोजित की गईं। वार्ड 13 स्थित मां शीतला कल्याणी मंदिर परिसर तथा रिसाली वीआईपी नगर सामुदायिक भवन में संपन्न हुईं। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक तथा राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में जिला

महामंत्री विनोद अरोरा, जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी शिवेंद्र परिहार, प्रदेश झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ सह-संयोजक एवं मंडल प्रभारी दिनेश देवांगन, जिला मंत्री शैलेंद्र शेंडे, मंडल अध्यक्ष राजू जांघेल एवं अनुपम साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा पिछले 12 वर्षों में किए गए ऐतिहासिक कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी आजाद भारत के ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने लगातार जनसेवा के माध्यम से देश को नई दिशा दी है तथा आने वाले समय में सबसे ज्यादा समय वाले प्रधानमंत्री के रूप में नया इतिहास रचेंगे।

जीई रोड पर हादसों को निमंत्रण, देखने वाला कोई नहीं

दुर्ग। ये तस्वीर है जीई रोड स्थित राजेंद्र पार्क के करीब की। जल संसाधन विभाग के कार्यालय के करीब स्थित इस जगह पर एक स्लैप पिछले दिनों टूट गया है। इसके बाद इसका मेंटेनेंस अब तक नहीं कराया गया है। बता दें कि यह मार्ग प्रमुख है, यहां से 24 घंटे वाहनों की आवाजाही होती है। यात्री बसों के अलावा यह शहर की लाइफलाइन है। बावजूद इसके इस मार्ग पर सुरक्षा की अनदेखी की जा रही है।

नागरिकों को घर के नजदीक मिल रही शासकीय सेवाएं

उरला जोन कार्यालय में आज लगेगा जनसुविधा शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर नागरिक सुविधाओं को उनके नजदीक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक बुधवार आयोजित किए जाने वाले जनसुविधा शिविर के अंतर्गत इस बुधवार 10 जून को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक उरला स्थित जोन कार्यालय (आईएचएसडीपी कॉलोनी) में विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में क्षेत्र के नागरिकों को विभिन्न शासकीय एवं निगम संबंधी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

शिविर के दौरान नए राशन कार्ड बनाने, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, नाम विलोपन एवं अन्य आवश्यक संशोधन संबंधी कार्य किए जाएंगे। इसके

अलावा वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, परित्यक्ता पेंशन तथा दिव्यांगजन पेंशन से जुड़े आवेदन एवं समस्याओं का निराकरण भी किया जाएगा। निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहकर नागरिकों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान करेंगे। उरला वार्ड के नागरिकों को मिलेगा विशेष लाभ, टैक्स जमा करने पर तत्काल नकद छूट नगर निगम प्रशासन ने बताया कि वार्ड 57 एवं 58 के नागरिकों एवं करदाताओं के लिए संपत्तिकर एवं अन्य निगम करों के भुगतान की व्यवस्था की गई है। संबंधित अधिकारी शिवा परिहार मोबाइल 7805919929 को जोन कार्यालय में कर राशि जमा करने पर 6 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

पीएम स्वनिधि योजना के जिला स्तरीय शिविर कल

दुर्ग। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के अंतर्गत 11 जून गुरुवार को दुर्ग में जिला स्तरीय स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक नगर पालिक निगम दुर्ग के श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में आयोजित होगा। शिविर में स्ट्रीट वेंडर्स को योजना के तहत ऋण स्वीकृति, क्रेडिट कार्ड वितरण, ऑनलाइन आवेदन, सामाजिक प्रोफाइलिंग तथा विभिन्न शासकीय लाभों की जानकारी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु उपायुक्त मोहेंद्र साहू को नोडल अधिकारी तथा बाजार अधिकारी अभ्युदय मिश्रा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर मंच, विद्युत एवं साउंड सिस्टम, पेयजल, स्वच्छता, अतिथि स्वागत, वेंडर्स पंजीयन, बैंकिंग सहयोग, ऑनलाइन आवेदन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की गई है।

कांग्रेस पार्टी की सबसे बड़ी ताकत जमीनी संगठन और कार्यकर्ताओं का समर्पण : चैतन्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटन

पाटन विधानसभा के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी संगठन सृजन के तहत बूथवार पंचायत कांग्रेस कमेटी का गठन

कांग्रेस नेता युवाओं के आदर्श चैतन्य बघेल ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका जमीनी संगठन और कार्यकर्ताओं का समर्पण है। आज संगठन सृजन अभियान के माध्यम से बूथ और पंचायत स्तर तक कांग्रेस को और अधिक मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हमेशा गांव, गरीब, किसान, मजदूर और युवाओं के हित में काम किया है तथा संगठन को परिवार की तरह सहेजने का कार्य किया है। हमें उनके जनसेवा और संघर्ष के विचारों को गांव-गांव तक पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने और जनता की आवाज को बुलंद करने का आह्वान किया।

पूर्व ओएसडी आशीष वर्मा ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा सेवा, समर्पण और जनहित की विचारधारा है। संगठन तभी मजबूत होता है जब बूथ स्तर का कार्यकर्ता सक्रिय और जागरूक हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की मजबूती का आधार गांवों में रहने वाले कार्यकर्ता हैं, जो हर परिस्थिति में पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल ने अपने कार्यकाल में किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीब वर्ग के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिए, जिनकी बदौलत कांग्रेस की जड़ें जनता के बीच और मजबूत हुई हैं। संगठन सृजन अभियान आने वाले समय में कांग्रेस को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की सबसे बड़ी पूंजी है और इसी शक्ति के बल पर जनता का विश्वास निरंतर बढ़ता रहेगा।

विधायक प्रतिनिधि पूर्व जिला पंचायत दुर्ग के उपाध्यक्ष अशोक साहू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास त्याग, संघर्ष और जनसेवा का इतिहास रहा है। संगठन सृजन अभियान केवल पदाधिकारियों के चयन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि कांग्रेस की विचारधारा को प्रत्येक घर तक पहुंचाने का अभियान है। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में किसानों, श्रमिकों, महिलाओं और युवाओं के सम्मान एवं अधिकारों के लिए जो कार्य हुए, वे आज भी जनता के बीच चर्चा का विषय हैं।

इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व जिपं उपाध्यक्ष अशोक साहू, जनपद सदस्य दिनेश साहू, मंडल अध्यक्ष द्वय भूपेंद्र बघेल, सोहन जोशी, कौशल चंद्राकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता, ईश्वर शर्मा महामंत्री, देवकुमार निषाद उपाध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस, मनीष वर्मा, मनोज वर्मा, टिकेंद्र साहू, डॉ. ईश्वर निषाद सरपंच, हितेश्वर ठाकुर प्रतिनिधि जिपं, नंदिनी साहू पूर्व जनपद सदस्य, कमलेश नेताम, डॉ. डीआर शर्मा, युगल किशोर आडिल, विष्णु चंद्राकर, परमानंद साहू, डॉ. नोहर साहू, मनोज यादव, मनहरण सिन्हा, गुहा सिन्हा, माधो सिन्हा, नरेश सिन्हा, डॉ. पवन निर्मल, नीलकंठ साहू, सागर सिन्हा, लक्की सिन्हा, कुलेश्वर ठाकुर, इंद्रेश्वर सिन्हा, चोवा सिन्हा, मनहरण सिन्हा, डॉ. बसंत साहू, नंदकुमार साहू, बीरेंद्र साहू, भीखम पटेल, देवलाल पटेल, डीकेश साहू, शिवचरण चतुर्वेदी, रामाधार वर्मा, दशरू ठाकुर, नत्थू, लुल्ली चक्रधारी, डेविड चंद्राकर, विजय साहू, सहित कांग्रेस जन, महिला कांग्रेस युवा कांग्रेस, एनएसयूआई के कार्यकर्ता प्रमुख रूप से बैठक में उपस्थित रहे ।

खबर संक्षेप

नीरज को मिली पीएचडी

पाटन। ग्राम देवादा निवासी नीरज कुमार शर्मा पिता स्व. जय भगवान शर्मा ने हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग से पी-एच.डी. (डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी) की उपाधि प्राप्त की। नीरज शर्मा का शोध कार्य छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध व्यंग्यकार त्रिभुवन पाण्डेय पर आधारित है। उनके शोध का विषय त्रिभुवन पाण्डेय की रचनाओ में व्यंग्य दृष्टि है। शोधकार्य डॉ.वर्षा वर्मा एवं डॉ. बलजीत कौर के निर्देशन में पूर्ण हुआ।
08 जून 2026को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग में उनकी मौखिकी संपन्न हुई। वे वर्तमान में पाटन विकास खंड के चीचा मिडिल स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.रामाधीन दुबे के पौत्र और स्व.मनहरण लाल दुबे शिक्षक के भतीजे हैं।

विकासखंड स्रोत समन्वयक का किया स्वागत

सेलूद। नवनियुक्त विकासखंड स्रोत समन्वयक (बीआरसी) गुणेश्वर प्रसाद वर्मा से छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन की ब्लॉक इकाई पाटन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सौजन्य भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर फेडरेशन प्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ एवं शुभकामनाएं भेंट करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी।
भेंटवार्ता के दौरान शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने तथा शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों पर सकारात्मक चर्चा हुई।
इस अवसर पर फेडरेशन के जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा,ब्लॉक अध्यक्ष चेतन सिंह परिहार सहित पदाधिकारीगण, विनोद देवांगन,राजकुमार बघेल, टेकेश्वर प्रसाद यदु,सुनील बघेल, कमल देवांगन,वीरेंद्र कुमार साहू,विजय बंछोर,कन्हैया साहू,संतोष चंद्राकर,नरेंद्र सिन्हा,नंदकिशोर आडील,दुष्यंत चंद्राकर, कामता धनकर, प्रीतम चंद्राकर,गोपेन्द्र धुरंधर,गौकरण देवांगन,विनोद कुमार पाटिल सहित बड़ी संख्या में प्रधान पाठक एवं शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने उन्हें सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

:: उद्घोषणा ::

रा.प्र.क्र. 202605101200064 / अ-27/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका पंकज राम पिता/पति स्व. चोवा राम निवासी विनायकपुर तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम विनायकपुर तहसील व जिला दुर्ग स्थित दर्ज भूमि खसरा नंबर 28, 921, 923, 924, 925, 926, 956, 1063, 159, 948 रकबा कुल 5.6000 हेक्टेयर भूमि शामिलात रूप से दर्ज है। उक्त भूमि का पूर्व में हुए आपसी बंटवारा एवं कास्त कब्जा के आधार पर सामान्य हिस्सों में खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 15.06.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायायल में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22.05.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

फसल नुकसान के बावजूद नहीं मिला मुआवजा, किसान परेशान

टावर कंपनी की मनमानी से किसानों में आक्रोश, खेत खोदकर बर्बाद की खेती

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमधा

किसान मुआवजे के इंतजार में भटक रहे, टावर कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

ग्राम भाठाकोकड़ी में टावर कंपनी की कथित मनमानी एक बार फिर किसानों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। आरोप है कि कंपनी ने जबरन किसानों की जमीन पर खुदाई कर खेतों को नुकसान पहुंचाया, लेकिन आज तक प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा नहीं दिया गया।

ग्रामीणों के अनुसार टावर निर्माण के दौरान खेतों में भारी मशीनों से खुदाई की गई और खेतों से निकले बड़े-बड़े बोल्डर व पत्थरों को वहीं डाल दिया गया, जिससे कृषि भूमि की स्थिति खराब हो गई। किसानों का कहना है कि उनकी उपजाऊ जमीन खेती योग्य नहीं रह गई है और फसल उत्पादन पर गंभीर असर पड़ा है। जबकि टावर कंपनी के द्वारा पूर्व में कहा गया था कि जमीन को लेबल कर साफ सुथरा करके दिया जाएगा।

सबसे बड़ी बात यह है कि इस पूरे मामले में करीब 6 से 7 किसान सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं, लेकिन उन्हें अब तक कोई मुआवजा नहीं मिला। कई किसानों को महज क्षतिपूर्ति के नाम पर कुछ पैसे थमा दिया गया है और कुछ किसान वंचित है। किसानों का आरोप है कि टावर कंपनी के अधिकारी पहले भुगतान का आश्वासन देते रहे, लेकिन अब उनका फोन तक उठाना बंद कर दिया है। मुआवजे के लिए किसानों को लगातार कार्यालयों और अधिकारियों के चक्कर लगवाए जा रहे हैं।

किसानों का दर्द और भी बढ़ गया है क्योंकि पिछले सीजन में धान की फसल खराब हुई, उसके बाद गेहूं और चना की फसल को भी नुकसान झेलना पड़ा। अब धान बुआई का समय आ चुका है, लेकिन खेतों की बदहाल स्थिति और मुआवजे की अनिश्चितता ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

ग्रामीणों का कहना है कि एक तरफ सरकार किसानों की आय बढ़ाने की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ कंपनियों की लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के कारण अन्नदाता न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। प्रभावित किसानों ने प्रशासन से तत्काल जांच कराकर नुकसान का आकलन करने, फसलों की क्षति का मुआवजा दिलाने और टावर कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

किसानों का सवाल साफ है कि आखिर कब मिलेगा नुकसान का मुआवजा और कब रुकेगी टावर कंपनी की मनमानी? भाठाकोकड़ी के किसान अब आर-पार की लड़ाई के मूड में दिखाई दे रहे हैं। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो प्रभावित किसान आंदोलन और न्यायालय का रास्ता भी अपना सकते हैं।

वरिष्ठजन समाज की अमूल्य धरोहर उनकी सेवा हमारा दायित्व : ललित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

- तालपुरी बी ब्लॉक में वरिष्ठ नागरिकों के लिए अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण

तालपुरी इंटरनेशनल कॉलोनी रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए तालपुरी बी ब्लॉक में निर्मित अतिरिक्त कक्ष का दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने विधिवत लोकार्पण कर वरिष्ठजनों को समर्पित किया।

चंद्राकर ने कहा कि वरिष्ठजन हमारे समाज की अमूल्य धरोहर एवं अनुभव का अनमोल खजाना हैं। वे बरगद के विशाल वृक्ष के समान हैं, जिनकी छांव में परिवार, समाज और संस्कारों की पीढ़ियां विकसित होती हैं। उनका मार्गदर्शन, आशीर्वाद और जीवन अनुभव हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

विधायक ने आश्वस्त किया कि वरिष्ठ नागरिकों से जुड़ी अन्य सुविधाओं के लिए भी शासन-प्रशासन स्तर पर हर संभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने वरिष्ठजनों से आशीर्वाद लेकर उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

कार्यक्रम में पार्षद सविता ध्वज, एसोसिएशन अध्यक्ष सुनील चौरासिया, वरिष्ठ नागरिक कार्यकर्ता केकेएन सिंह, कोषाध्यक्ष रामनारायण साहू, उपमहासचिव पायल पवार, महासचिव आरके दत्ता, उपाध्यक्ष श्याम लाल साहू तथा तालपुरी के बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

बिजनेस साइट

जयंत फर्नीचर में जीरो डाउन पेमेंट पर सामान उपलब्ध

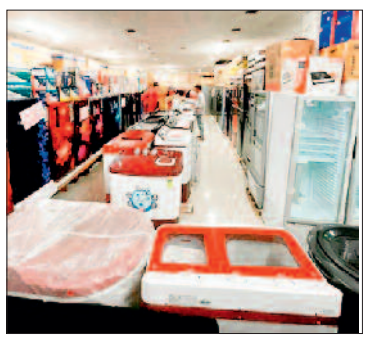

दुर्ग। इंदिरा मार्केट पार्किंग के पास अग्रवाल मिष्ठान भंडार के आगे संचालित जयंत फर्नीचर इंटरप्राइजेस एंड मोबाइल का नया ब्रांच नवाब प्लाजा मान होटल चौक इंदिरा मार्केट दुर्ग में संचालित है। जयंत फर्नीचर के संचालक ने बताया कि यहां सभी सामान में सभी प्रकार के फाइनेंस सुविधा जीरो प्रतिशत डाउनपेमेंट में उपलब्ध है। शादी विवाह के लिए विशेष पैकेज उपलब्ध है। विभिन्न फाइनेंस कंपनियों और बैंकों के द्वारा आसान किस्तों में सामान उपलब्ध कराया जाता है। जयंत फर्नीचर इंटर प्राइजेस एंड मोबाइल में सभी प्रकार के फर्नीचर, सोफा, पलंग, दीवान, डायनिंग टेबल सेट आदि सहित इलेक्ट्रानिक सामान में मोबाइल में सभी कंपनियों के सभी रेंज के मोबाइल उपलब्ध है। इसके अलावा फ्रीज, वाशिंग मशीन, स्मार्ट टीवी, एलईडी टीवी, एसी, कुलर आदि का विशाल रेंज उपलब्ध है।

ओम ज्वेलर्स में आकर्षक उपहार एवं डिस्काउंट

दुर्ग। दुर्ग ओम ज्वैलर्स शहर के हृदय स्थल में स्थित इंदिरा मार्केट दुर्ग शॉप नंबर 64 b प्रिया सिंगर सदन के सामने ओम ज्वैलर्स अपने भाव शोरूम के लिए जाना माना है। जहां आपको अनगिनत डिजाइन देखने को मिलता है। श्री सोनी ने बताया सोने की बढ़ती हुई महंगाई को देखते हुए मासिक ई योजना चालू किए हैं जिसमें

1000 से लेकर आपके बजट तक हर महीना का किस्त जमा कर सकते हैं। 12 महीने की रेगुलर किस्त जमा होने पर आपको एक महीने की किस्त ज्वेलर्स के द्वारा दी जाती है। सोनी ने बताया कि पैसा लाने ले जाने का जोखिम को देखते हुए घर पहुंच सेवा उपलब्ध किया गया है जिसमें अपनी पसंद की डिजाइन को खरीद कर पेमेंट आप घर से भी कर सकते हैं। इसके अलावा टोटल ऑनलाइन, चेक, एटीएम, डेबिट कार्ड एक्सेप्ट किया जाता है। सोनी ने बताया कि पुराने गहने को बिल्कुल नया बनाये वो भी बिना वजन घटे। ज्वेलरी की रिपेयरिंग की तत्काल सुविधा उपलब्ध है आगे दिवाली, त्यौहार सीजन को देखते हुए नई-नई डिजाइनों की विस्तार रेंज उपलब्ध है जिसमें ग्राहक अपने मनपसंद डिजाइन बुकिंग कर पसंद की जेवर शुभ मुहूर्त पर ले जाएं। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि हमारे यहां टोटल 916 (22 कैरेट)833 (20कैरेट)एवं 750(18कैरेट) के टोटल हॉलमार्क गहने उपलब्ध है। जिसमें भारत सरकार के द्वारा 6 अंकों का डिजिट कोड एच यू आईडी अंकित किया मिलेगा पूरे शहर में सबसे कम दाम पर उपलब्ध हैं जिसमें 0% चांदी की मेकिंग चार्ज एवं सोने पर जितना सोना उतना चांदी फ्री एवं न्यूनतम मजदूरी दर के साथ ग्राहकों को उपलब्ध किया जाता है। शादी के गहने की खरीदी पर दूल्हा एवं दुल्हन को स्पेशल टूरिस्ट बैग, इंपॉर्टेंट वॉच, जीतना सोना उतना चांदी फ्री ओम ज्वेलर्स की तरफ से प्रदान किया जाता है। हमारी शॉप में हमेशा ग्राहकों का अच्छी भीड़ रहती है। नए-नए डिजाइनों का हमेशा कलेक्शन उपलब्ध रहती है इसलिए आपको हमेशा लेटेस्ट फ्रेश डिजाइन व नई वैरायटी उपलब्ध रहती है। आप एक बार शॉप अवश्य पधारे।

व्यवसायिक प्रशिक्षण कम शुल्क में संपूर्ण तकनीकी शिक्षा

भिलाई। पावर हाउस भिलाई स्थित 36 वर्ष पुरानी इंदु टेक्नीकल इंस्टीट्यूट, जो आईएसओ 9001-2015 से प्रमाणित है। वहां प्रेक्टिकल आधारित कोर्स कराये जाते हैं। इससे प्रशिक्षण के बाद प्रेक्टिस करने की आवश्यकता नहीं होती है। इसका लाभ लेकर हर साल बड़ी संख्या में बेरोजगार अपने पैरों पर खड़े हो रहे हैं। यह संस्था में समय-समय पर तकनीकी कंपनियां तथा प्लेसमेंट एजेंसी को जॉब हेतु संपर्क करती है। संस्था में मोबाईल हार्डवेयर/ सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटर हार्डवेयर, इलेक्ट्रानिक्स, इलेक्ट्रीकल, फ्रिज-एसी, इन सभी विषयों का प्रेक्टिकल आधारित प्रशिक्षण दिया जाता है। इंदु टेक्निकल इंस्टीट्यूट एकमात्र संस्था है जो तकनीकी प्रशिक्षण में कम्प्यूटर के आधुनिक एनीमेशन का उपयोग करती है इससे कोर्स सरलता से छात्र-छात्राओं की समझ में आ जाते हैं। इसमें शैक्षणिक योग्यता का कोई मापदंड नहीं है किसी भी स्तर के छात्र-छात्राएं इन कोर्सेस को सरलता से पूर्ण कर सकते हैं। कोर्स पूर्ण करने में अतिरिक्त समय भी लगता है तो कोई अतरिक्त शुल्क नहीं लिया जाता। छात्र कोर्स से संबंधित निःशुल्क परामर्श कभी भी ले सकते है। सभी कोर्स सरल हिन्दी में कराए जाते हैं। फीस के बारे में कहा जा सकता है कि जेब खर्च के बराबर फीस अर्थात अत्यंत कम शुल्क में ये कोर्स कराये जाते हैं। यहां संपूर्ण छत्तीसगढ़ सहित बिहार, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्रप्रदेश, हिमांचल प्रदेश, उड़ीसा आदि के साथ-साथ नेपाल से भी छात्र आते हैं। बाहरी छात्रों के लिए छात्रावास है। नौकरीपेशा या बेरोजगार कोई भी हर दिन 1.30 घंटे का समय देकर कोर्स कर सकता है।

वर्मा बने विधि एवं विधायी कार्य विभाग में अवर सचिव

सेलूद । पाटन विधानसभा के ग्राम देवादा के मूल निवासी मुरली राम वर्मा को विधि एंव विधायी विभाग में अवर सचिव बनाया गया है। छत्तीसगढ़ शासन के विधि और विधायी कार्य विभाग मंत्रालय द्वारा पदोन्नति का आदेश जारी किया गया है। इस आदेश के तहत विभाग में लंबे समय से अनुभाग अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे वरिष्ठ अधिकारी मुरली राम वर्मा को पदोन्नत कर अवर सचिव के पद पर अस्थायी रूप से पदस्थ किया गया है। इस पदोन्नति से गाँव समाज व परिवार के लोगों में हर्ष का माहौल है।

सीसी रोड निर्माण के लिए किया भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटन

पाटन विधानसभा के ग्राम राखी में वार्ड नंबर 2 में गली सीमेंटीकरण के लिए स्वीकृत राशि दस लाख से रोड निर्माण किया जाना है, समस्त ग्रामवासियों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि सभापति प्रणव शर्मा द्वारा पूजा-अर्चना करते हुए भूमिपूजन किया। वहीं ग्रामीणों से राज्य शासन के विभिन्न योजनाओं एवं मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई, सैकड़ों की संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने एक स्वर में सबसे अधिक गांव में स्थित राशन दुकान के संचालक बृजराज वर्मा की शिकायत की बताया कि समय पर राशन नहीं मिलता और कई लोगों को महीना में राशन ही नहीं मिलता, खाद्य विभाग में शिकायत करने पर कोई समाधान नहीं मिला है यह आदमी सात जगह पर राशन दुकान चलाता है यह जानकारी ग्रामीणों से प्राप्त हुआ है। ग्रामीणों ने सार्वजनिक रूप से लिखित में शिकायत करने की बात कही है। इस अवसर पर ग्राम के सरपंच जीतेश्वरी देवांगन, उपसरपंच रोशन दांडेकर, उत्तम बंजारे, हिरेंद्र देवांगन, ग्राम के समस्त पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।

शिव पुराण में सुनाई माता पार्वती और ऋषियों के जन्म की कथा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

लिटिया सेमरिया में आयोजित शिवपुराण कथा के चौथे दिन भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। कथावाचक आचार्य डॉ. विक्रांत दुबे ने माता पार्वती के जन्म, सनकादिक ऋषियों के श्राप और शिव विवाह प्रसंग का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया। उनके आध्यात्मिक एवं भावपूर्ण कथन से कथा पंडाल में उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए।

आचार्य दुबे ने बताया कि प्राचीन काल में पित्रों की कन्याओं को सनकादिक ऋषियों द्वारा श्राप दिया गया था, जिसके फलस्वरूप उन्हें पृथ्वी पर सामान्य मनुष्य के रूप में जन्म लेना पड़ा। इनमें से एक कन्या हिमाचल की पत्नी मैना के रूप में, दूसरी राजा जनक की पत्नी सुनैना के रूप में तथा तीसरी राधा की माता कीर्ति के रूप में अवतरित हुईं। आदिशक्ति ने इन्हीं के यहां जन्म लेकर धर्म और शक्ति की स्थापना की।

कथा में माता पार्वती की कठोर तपस्या का प्रसंग विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए उनके अटूट संकल्प और भक्ति का वर्णन सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इस दौरान पूरा पंडाल हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर पूरा पंडाल भक्ति संगीत, मंत्रोच्चार और पुष्प वर्षा से गूंज उठा। भक्तों ने भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह का सजीव दृश्य देखकर भावविभोर होकर उत्सव में भाग लिया। कथा के उपरांत शिव विवाह की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई। भजनों की मधुर धुन पर निकली भोले बाबा की बारात ने वातावरण को पूर्णतः शिवमय बना दिया। श्रद्धालु झूमते-गाते हुए बारात का स्वागत करते नजर आए। कथा के आयोजक शकुंतला ओमप्रकाश शर्मा, पवन शर्मा जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं शर्मा पटाक परिवार है, जिनके द्वारा भगवान शिव के आशीर्वाद से ग्राम लिटिया सेमरिया के में सैकड़ों ग्राम वासियों की उपस्थिति यह कथा आयोजित की जा रही है। आचार्य दुबे ने शिव महापुराण की दिव्य महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि भगवान शंकर का जीवन चरित्र मानव को ज्ञान, विवेक, सहनशीलता, प्रेम, त्याग, संतोष और संस्कारों की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि शिव केवल देव नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक श्रेष्ठ पद्धति हैं। उन्होंने तुलसीदास की चौपाई का उल्लेख करते हुए कहा कि जब बेटी सुचारू रूप से परिवार की जिम्मेदारी निभाती है, सेवा और प्रेम से घर को संवारती है, तब माता-पिता का नाम समाज में उजागर होता है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

अवैध शराब को लेकर पुलिस की कार्रवाई

भिलाई। अवैध शराब तस्करी मामले में पुलिस ने चार युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि टीम ने अभियान चलाकर नंदिनी नगर,खुर्सीपार पुलिस ने तस्करी करने वालों को पकड़ा है। जिसमें ग्राम पथरिया नंदिनी नगर निवासी सम्पूरण दास, महेश टंडन, ग्राम कोकड़ी हुमन जांगड़े, शास्त्री मार्केट खुर्सीपार सुनील प्रसाद को गिरफ्तार किया गया। युवकों के पास से पुलिस ने 115 पौवा देशी मदिरा शराब 12, हजार, दो बाइक जब्त की गई है। उक्त सामानों की कीमत 97 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर युवको को पकड़ा है।

सेक्टर 9 हास्पिटल के डॉ. दीपक की पुस्तक बनी बेस्ट सेलर

भिलाई। बीएसपी के सेक्टर 9 हास्पिटल के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. दीपक कुमार दासमहापात्र की पुस्तक क्वालिटी मैनेजमेंट इन ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एंड एसओपी ऑफ ब्लड सेंटर" है को अमेज़न पर हेमेटोलॉजी' एवं 'ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन' श्रेणी में बेस्ट सेलर' का स्थान मिला है। इनोवेटिव पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक में ब्लड सेंटर के संचालन, गुणवत्ता मानकों, सुरक्षा प्रोटोकॉल तथा विभिन्न स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) को व्यावहारिक और व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस पुस्तक के सह-लेखकों में संदीप कुमार पांडे, डॉ. अनुराधा पांडा और डॉ. बबीता एक्का शामिल हैं। डॉ. दासमहापात्र ने बताया कि पुस्तक के माध्यम से उन्होंने उन सभी लोगों के योगदान को रेखांकित करने का प्रयास किया है, जो प्रतिदिन अनगिनत मरीजों के जीवन की रक्षा में भूमिका निभाते हैं।

पॉलीटेक्निक कॉलेजों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग कल से

दुर्ग। प्रदेश के तकनीकी शिक्षा संचालनालय डीटीई द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय एवं निजी पॉलीटेक्निक कॉलेजों के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर, सीडीडीएम, आईडी, एमओएम, एचएमसीटी और लैटरल एंट्री में प्रवेश के लिए राज्य-स्तरीय ऑनलाइन काउंसलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। जारी शेड्यूल के अनुसार, प्रथम चरण की ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए रजिस्ट्रेशन 11 जून पूर्वान्ह 10 बजे से 15 जून रात्रि 11.59 बजे तक होगा। इसके बाद 16 जून को मेरिट सूची जारी होगी, जिस पर 17 जून तक दावा-आपत्ति की जा सकेगी। दावा-आपत्ति के निराकरण के पश्चात प्रथम चरण का सीट आवंटन 19 जून को किया जाएगा, जिसके तहत चयनित छात्रों को 20 से 24 जून के बीच आवंटित संस्था में उपस्थित होकर प्रवेश लेना होगा। यदि प्रथम चरण के बाद सीटें रिक्त रह जाती हैं, तो द्वितीय चरण की काउंसलिंग 26 से 30 जून तक चलेगी।

एआईयू राष्ट्रीय बैठक में रखे तकनीकी यूनिवर्सिटी के खेल प्रभारियों ने खेल सुधारों का अनुभव

विश्वविद्यालय स्तर पर राष्ट्रीय खेल गतिविधियों को मिले बढ़ावा और जल्द हो सकारात्मक सुधार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) की ऑनलाइन बैठक हुई। बैठक में विश्वविद्यालय स्तर पर राष्ट्रीय खेल गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी, खिलाड़ी हितैषी और परिणामोन्मुख बनाने हेतु आगामी रणनीति तैयार किया।

बैठक में जिन महत्वपूर्ण सुधारात्मक बिंदुओं पर राष्ट्रीय स्तर पर विचार-विमर्श किया गया, उनमें से अधिकांश विषयों पर छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई के खेल विभाग द्वारा जिम्मेदारी संभालने के पश्चात राज्य स्तर पर पहले ही चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वयन प्रारंभ किया जा चुका है।

खेल भावना और निष्पक्षता बनाने डोपिंग नियमों का हो कड़ाई से पालन

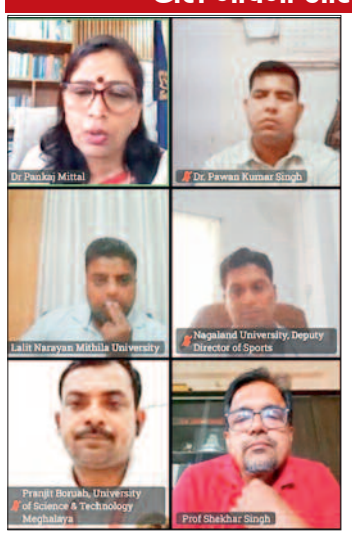

आरक्षित टिकट पहले मिले खिलाड़ियों को

खेल प्रभारियों के हिसाब से खिलाड़ियों की यात्रा सुविधा हेतु पूर्व आरक्षित टिकट व्यवस्था की जाए। ताकि खिलाड़ी समय पूर्व ही स्वयं को तैयार कर सके। प्रतियोगिता स्थलों पर चिकित्सा एवं आपातकालीन सहायता व्यवस्था हो। उन्होने कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा हेतु बीमा व्यवस्था करने की जरूरत है। साथ ही खेल भावना एवं निष्पक्षता बनाए रखने हेतु डोपिंग नियमों का कड़ाई से पालन हो।

महिला खिलाड़ियों को प्राथमिकता मिले

बैठक में यह सुझाव दिए गए हैं कि महिला खिलाड़ियों की सहभागिता और सुविधाओं को प्राथमिकता देने की जरूरत है जिससे वे आगे आएं। प्रतिभागियों की संख्या और लोकप्रियता के आधार पर नवीन खेलों को प्रोत्साहन एवं समावेश होना चाहिए। शैक्षणिक गतिविधियों और खेल गतिविधियों के बीच संतुलन एवं समन्वय स्थापित किए जाएं।

तकनीकी अधिकारियों और सहयोगी का भी हो सम्मान

बैठक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के साथ-साथ तकनीकी अधिकारियों और सहयोगी स्टाफ का सम्मान की जरूरत समझी गई है। प्रतियोगिता प्रणाली में पारदर्शिता हेतु ऐसे प्रावधानों पर नियंत्रण जिनसे विजेता खिलाड़ी अगले चरणों में जानबूझकर भाग न लेकर प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। खेल निधि का शत-प्रतिशत उचित एवं उद्देश्यपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने की जरूरत है।

सुविधाओं व संसाधनों का मूल्यांकन

बैठक में सुविधाओं एवं संसाधनों का मूल्यांकन कर आयोजन की क्षमता के अनुसार खेल आबंटन की व्यवस्था करने पर जोर दिया गया। खेल प्रभारियों ने कहा कि खेल की वजह से खिलाड़ियों को शैक्षणिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। क्लास रेगुलर नहीं रहता। इसलिए ऐसे खिलाड़ियों को हो रहे शैक्षणिक नुकसान से बचाने हेतु परीक्षा पुनर्निर्धारण (**Exam Reschedule**) जैसी व्यवस्था होनी चाहिए।

बाह्य विशेषज्ञों की नियुक्ति हो

खेल प्रभारियों ने सुझाव दिए कि खेलों में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु बाह्य विषय विशेषज्ञों की नियुक्ति होना चाहिए। जिसमें चयनकर्ता, पर्यवेक्षक एवं अन्य तकनीकी अधिकारियों के रूप में नियुक्ति हो। साथ ही योग्य एवं अनुभवी कोच, मैनेजर और तकनीकी विशेषज्ञों की नियुक्ति की जरूरत है। प्रतियोगिताओं के उपरांत समयबद्ध प्रमाण पत्र वितरण करना चाहिए।

सीएसवीटीयू में ये हैं प्रक्रियाधीन

एआईयू की बैठक में जिन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा व सुझाव दिए गए हैं उनमें से दो पर सीएसवीटीयू में प्रक्रियाधीन है। सीएसवीटीयू के खेल प्रभारी किशोर भारद्वाज ने बताया कि राष्ट्रीय खिलाड़ियों की सुरक्षा हेतु बीमा व्यवस्था करने और पैरा खेलों को समान अवसर के साथ शामिल करने जैसे सुझावों पर सीएसवीटीयू में कार्य चल रहा है। अनुभव दर्शाता है कि किसी भी व्यवस्था में सुधार केवल नीतियों से नहीं बल्कि समय पर सही दिशा में किए गए प्रशासनिक निर्णयों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन से आता है। विश्वविद्यालय खेल व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय सोच और स्थानीय स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन का समन्वय ही भविष्य की सफलता का आधार होगा।

अंजोरा पुलिस चौकी की घटना

मोबाइल झपटमारी के दो मामलों में सात पकड़े गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- 1.40 लाख रुपए का सामान जब्त
- मुखबिर की सूचना पर दबिश

मोबाइल झपटमार के दो मामलों में पुलिस ने चार युवक और तीन अपचारी बालको को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

अंजोरा पुलिस ने बताया कि 6 जून की रात महमरा शिवनाथ नदी एनीकेट पर पीड़ित के हाथ से मोबाइल झपटकर कर रहे युवको का विरोध करने पर धारदार हथियार से हमला कर फरार हो गया था। जिसे पुलिस ने पकड़ा है। दूसरे मामला 17 अप्रैल की रात की है जहां रसमड़ा हाईवे रोड पर राहगीर का रास्ता पूछने का झांसा देकर शर्ट की जेब से दो मोबाइल फोन,एटीएम कार्ड झपट लिया गया था।

दोनों मामलों में पुलिस ने साहू, दीपक नगर प्रशिक्षित सिंह, सिकोला भाठा संदीप कौशल, मदर टेरेसा नगर सुपेला ध्रुव वैश्य और तीन अपचारी बालको को पकड़ा है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 4 मोबाइल,दो बाइक, दो धारदार हथियार, एटीएम कार्ड समेत अन्य सामान जब्त किया है। कुल 1. 40 लाख रुपए का सामान पुलिस ने जब्त किया है। कार्रवाई में चौकी प्रभारी चंद्रशेखर सोनी समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

व्यक्तिगत उत्कृष्टता की ओर पथ प्रशिक्षण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'प्रखर – व्यक्तिगत उत्कृष्टता की ओर पथ' का आयोजन बीएमडीसी में किया गया। स्वास्थ्य एवं कल्याण, तनाव प्रबंधन, योग पर आधारित यह शिविर अधिकारियों को व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने के लिए किया गया। उद्घाटन महाप्रबंधक सौरभ वार्ष्णेय ने किया। महाप्रबंधक प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ प्रबंधक शिव कुमार, एडीएमओ डॉ. माला चौधरी, प्राचार्य महेश्वरी खोबरागड़े तथा पूर्व सीजीएम प्रभारी अताशी प्रमाणिक ने अनुभव प्रतिभागियों के साथ साझा किए। नेतृत्व के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य एवं तैयारी, रणनीतिक तनाव प्रबंधन, ध्यान पर चर्चा की गई। विभिन्न विभागों से कुल 29 अधिकारियों ने सहभागिता की।

कार की ठोकर से बाइक सवार बालिका की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- घटना नगपुरा चौकी क्षेत्र की, पुलिस जांच में जुटी

सड़क हादसे में नाबालिक बालिका की मौत होने का मामला सामने आया है। घटना नगपुरा थाना पुलगांव क्षेत्र की है। पुलिस ने बताया कि राजनांदगांव निवासी हेमलता यादव अपने मामा के घर आई थी।

हेमलता बाइक पर अपने पिता सुदामा, मामा कौशल और परिचित के साथ शिकारी टोला जाने के लिए निकली थी। हेमलता बाइक के सामने बैठी थी। तीन लोग पीछे बैठे हुए थे। घटना रविवार की शाम की बताई जा रही है। परिवार के लोग खुर्सीडीह-बोरई मार्ग के पास बाइक से पहुंचे, तभी सामने से तेज रफ्तार से कार पीबी 10 सीजेड 4495 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवार को चपेट में लिया। हादसे में हेमलता की मौत हो गई। बाइक चालक का आरोप है कि कार चालक ने अचानक बिना इंडिकेटर के मोड दिया था इस कारण हादसा हुआ है। टक्कर इतनी तेज थी कि सभी लोग सड़क पर गिर गए। हादसे में सामने बैठी हेमलता के सिर में गंभीर चोट आई और कान के पास से खून निकलने लगा। घायल हेमलता को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृदत घोषित कर दिया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

बीएसपी में लोहा चोरी की हो उच्चस्तरीय जांच : बघेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

सांसद विजय बघेल ने बीएसपी में करोड़ों रुपये की लोहा चोरी पर चिंता व्यक्त करते हुए इसकी निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि 6 सौ सीटीटी कैमरे व सैकड़कों सीआईएसफजवानों की तैनाती बाद भी लगातार चोरी गंभीर है। यह मामला केवल चोरी तक सीमित नहीं है, बल्कि संयंत्र की सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र तथा प्रशासनिक जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।

श्री बघेल ने कहा कि बीएसपी के कर्मचारियों ने अपने परिश्रम से सेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नियंत्रणात्मक व्यवस्थाएं लागू करने के बजाय प्रबंधन को चोरी रोकने, सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने तथा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक और लागत नियंत्रण के नाम पर कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर लगातार कार्य का दबाव बढ़ाया जा रहा है तथा ठेका श्रमिकों की छंटनी और विभिन्न सुविधाओं में कटौती की जा रही है, वहीं दूसरी ओर संयंत्र की संपत्तियों की सुरक्षा से जुड़े गंभीर मामलों पर अपेक्षित कठोरता दिखाई नहीं दे रही है। सांसद ने स्पष्ट कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र देश की अमूल्य धरोहर है और इसकी संपत्तियों की लूट किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जा सकती। सांसद ने कहा कि बीएसपी में चोरी को लेकर केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई तथा केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) को भी पत्र लिखेंगे। लोकसभा सत्र में भी इस गंभीर विषय को प्रमुखता से उठाया जाएगा ।

सेक्टर 9 अस्पताल का न हो निजीकरण, कलेक्टर से मिला सीटू

भिलाई। बीएसपी सेक्टर-9 अस्पताल के निजीकरण को लेकर सीटू के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से मिलकर कर मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की। अस्पताल से जुड़े लाखों हितधारकों के मन में भविष्य को लेकर गंभीर आशंकाएं उत्पन्न हो रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को बताया कि पिछले वर्ष प्रबंधन द्वारा डेलॉयट नामक परामर्शदाता संस्था से अस्पताल का अध्ययन कराया गया था, लेकिन रिपोर्ट गुप्त रखा गया है। इच्छुक संस्थाओं से रुचि की अभिव्यक्ति (ई ओ आई) आमंत्रित की गई। आठ संस्थाओं द्वारा रुचि दिखाई गई तथा दो संस्थाओं ने अस्पताल का दौरा भी किया, किंतु इन प्रक्रियाओं के निष्कर्षों और वर्तमान स्थिति के संबंध में अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। यूनियन ने कहा कि बीएसपी कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों, उनके परिवारों और क्षेत्र की आम जनता के स्वास्थ्य से जुड़ा जेएलएनएच एक महत्वपूर्ण संस्थान है। ऐसे में इसके भविष्य से जुड़े किसी भी निर्णय या प्रस्ताव की जानकारी हितधारकों से साझा किए बिना आगे बढ़ना उचित नहीं माना जा सकता।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सीटू द्वारा प्रबंधन को पत्र लिखकर सभी हितधारकों अथवा उनके प्रतिनिधियों की बैठक बुलाने तथा वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग के बाद भी प्रबंधन द्वारा इस दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। पारदर्शिता के साथ यूनियनों व स्टैक होल्डरों से चर्चा की मांग की है।

बीडब्ल्यू की हुई बैठक

बायोमेट्रिक के बाद अब आरएफआई लागू करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बीएसपी वर्कर्स यूनियन ने बीएसपी प्रबंधन द्वारा बायोमेट्रिक फेस रीडर व्यवस्था के बाद अब आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) आधारित उपस्थिति एवं निगरानी प्रणाली लागू करने की प्रक्रिया लागू कर मूल समस्याओं से ध्यान हटाने के कदम का विरोध किया है।

बैठक में बताया कि जब संयंत्र और कर्मचारियों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे लंबे समय से लंबित हैं, तब प्रबंधन का ध्यान मूल समस्याओं के समाधान के बजाय कर्मचारियों पर नए-नए प्रयोग लागू करने पर अधिक दिखाई दे रहा है। सेवा संस्था में जमा राशि का पूरा विवरण और लेखा-जोखा आज तक कर्मचारियों को क्यों नहीं दिया गया और न ही एजीएम ही बुलाई गई है। कर्मियोंनेअस्पताल में खराब पड़ी सीटी स्कैन मशीन को चालू करने की मांग की। डायलिसिस मशीन की खरीद अब तक नहीं हो पाई है और सोनोग्राफी जांच के लिए मरीजों को एक से डेढ़ महीने बाद की डेट मिलने कर्मी परेशान हैं।

बी 12 और विटामिन डी की जांच एक वर्ष से नहीं हो पा रहा है 1500 देकर कर्मियों को बाहर से जांच करनी पड़ रही है। बेस कैंटीन का टेंडर पूरा नहीं हो पाया है। परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं व्यवस्थित भोजन सुविधा उपलब्ध नहीं हो रही है।

बैठक में उपस्थित कर्मचारियों ने प्रबंधन से यह भी जानना चाहा कि कर्मचारियों पर लगातार नई-नई निगरानी प्रणालियां और प्रयोग लागू करने की आवश्यकता क्यों महसूस की जाती है, जबकि संयंत्र के संचालन, सुरक्षा, उत्पादन, चिकित्सा सुविधाओं, कैंटीन व्यवस्था तथा कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे वर्षों से लंबित पड़े हैं।

कर्मचारियों का कहना था कि प्रबंधन को पूरा ध्यान संयंत्र के संरक्षण, उत्पादन वृद्धि, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने तथा कर्मचारियों की वास्तविक समस्याओं के समाधान पर केंद्रित करना चाहिए। बैठक यूनियन के अध्यक्ष उज्जवल दत्ता , महासचिव खूब चंद वर्मा, कार्यकारी महासचिव शिवबहादुर सिंह, अतरिक्त महासचिव दिलेश्वर राव आदि उपस्थित थे।

हरिभूमि

रायपुर, बुधवार 10 जून 2026

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

02

गौसेवा भारतीय संस्कृति और...

लाइव इवेंट

मंदिर में होंगे धार्मिक और कार्यक्रम श्रद्धालुओं को सुविधा भी मिलेगी

दुर्ग। श्री साई मंदिर समिति, सिविल लाइन कसारीडीह की नवगठित कार्यकारिणी एवं पदाधिकारियों ने विभिन्न जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों से मुलाकात कर मंदिर के विकास और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया। समिति के इस प्रतिनिधिमंडल ने यह मुलाकात अध्यक्ष धनेंद्र कांत चंदेल और सचिव धीरेंद्र शर्मा के नेतृत्व में मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल द्वारा प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, समाजसेवी राकेश शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिकों से भेंट की गई।

मुलाकात के दौरान मंदिर के विकास, धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों के विस्तार तथा श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने समिति की नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में मंदिर की गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी और श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने मंदिर को धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक समरसता और जनसेवा का केंद्र बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

श्री साई मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से मंदिर के विकास कार्यों को गति मिलेगी और श्रद्धालुओं की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यवस्थाओं का विस्तार किया जाएगा। इस दौरान साई मंदिर समिति के अध्यक्ष धनेंद्र कांत चंदेल, सचिव धीरेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष मुरलीधर राऊत, संतोष यदु, सहसचिव संतोष खिरोड़कर, कोषाध्यक्ष रामेंद्र वंजारी, प्रचार मंत्री नारायण दत्त तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य आर के भटनागर, रोमनाथ साहू, प्रकाश शिवणकर सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

लाइव इवेंट

शास्त्रीय नृत्य और फोक डांस में मिला प्रथम पुरस्कार

भिलाई। देहरादून में आयोजित ऑल इंडिया नेशनल डांस म्यूजिक एंड फाइन आर्टस कॉम्पिटीशन तारांगन में श्री शंकरा विद्यालय, सेक्टर- 10 में अध्यनरत कक्षा 2 की छात्रा अद्रिजा दत्ता ने सब जूनियर कैटेगरी में फर्स्ट प्राइज जीता है। उसे सेमी क्लासिकल भरतनाट्यम और फोक डांस मराठी लावनी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला है। यह प्रतियोगिता 5 जून से 7 जून तक देहरादून में हुई। छात्र अद्रिजा को बचपन से ही नृत्य और संगीत का शौक है। 7 वर्ष की नन्ही बालिका तथा गुरु अन्वेषा भाटिया के डांस एकेडमी की छात्रा अद्रिजा ने पिछले दो वर्षों में कई कॉम्पटीशन में प्राइज जीता। गुरु अन्वेषा के निर्देशन में अद्रिजा लगातार पुरस्कार जीत रही है। पिछले वर्ष हुनर भिलाई में अद्रिजा को प्रथम पुरस्कार के रूप में 11000 रुपए की राशि मिली। वहीं केपीएस के प्रज्ञोत्सव के दो कैटेगरी में उसने प्रथम पुरस्कार और एक में द्वितीय पुरस्कार, राजनांदगांव के कौशिकी कार्यक्रम में भी अद्रिजा ने प्रथम पुरस्कार जीता। अद्रिजा की इस सफलता पर स्कूल प्रबंधन ने कहा है कि अद्रिजा को उसकी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और समर्पण के कारण ही यह उपलब्धि हासिल हुई है। अद्रिजा के पिता देबदूति दत्ता, वेदांता में केमिकल इंजीनियरिंग हैं वही माता काजल ग्रहणी हैं।

● 36 दिन चले निशुल्क समर कैंप में 1000 से ज्यादा बच्चों-महिलाओं ने सीखे 22 हुनर

कठिन आसनों का प्रदर्शन कर किया सूर्य नमस्कार, स्केटिंग संतुलन के करतब देख हुए दंग, 22 विधाओं में दिखाया हुनर

स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा स्मृति नगर में निशुल्क समर कैंप का आयोजन किया गया। 36 दिनों तक चले इस कैंप में बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, स्केटिंग, बॉक्सिंग, बास्केटबॉल, लॉन टेनिस, योगा, शतरंज, ड्राइंग, संगीत, स्पोकन इंग्लिश, मेहंदी, कुकिंग, सिलाई-कढ़ाई समेत कुल 22 विधाओं में 1000 से अधिक बच्चों और महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान बैडमिंटन के खिलाड़ियों ने रैकेट के जौहर दिखाए, तो स्केटिंग के बच्चों ने संतुलन के करतब से सबको दंग कर दिया।

भिलाई। रवींद्रनाथ टैगोर उद्यान, स्मृति नगर में आयोजित रंगारंग समापन समारोह में प्रतिभागियों ने अपने सीखे हुए हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा कि रोजमर्रा के कार्यों के अतिरिक्त सांस्कृतिक, साहित्यिक, धार्मिक और खेल-कूद के आयोजनों के कारण स्मृति नगर सोसाइटी की भिलाई में एक अलग पहचान है। उन्होंने संस्था की वर्तमान समस्याओं पर बोलते हुए स्मृति नगर में रहने वाले परिवारों के साथ किसी भी समस्या में साथ खड़े होने की बातें कहीं। संस्था के अध्यक्ष राजीव चौबे ने कहा कि यह समर कैंप पिछले 17 सालों लगातार आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने स्मृति नगर में अधोसंरचना के विकास के साथ-साथ खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी बढ़ावा दिया है। आज स्मृति नगर में बास्केटबॉल, बैडमिंटन, जिम्नास्टिक, स्केटिंग, फुटबॉल, बॉक्सिंग और लॉन टेनिस का प्रशिक्षण वर्ष भर चलता है। इन खेलों में स्मृति नगर के सैकड़ों खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक खेल चुके हैं।

ब्च्यों नें मोबाइल की लत से दूर सीखा अनुशासन

स्पोकन इंग्लिश के बच्चों ने धाराप्रवाह अंग्रेजी में परिचय देकर अभिभावकों को चौंका दिया। कुकिंग बैच ने बनाए व्यंजनों से अतिथियों का मुंह मीठा कराया। कार्यक्रम में प्रतिभागी बच्चों और उनके अभिभावकों के अलावा बड़ी संख्या में स्मृति नगर वासी मौजूद थे। अभिभावकों ने कहा कि 36 दिन के इस कैंप ने बच्चों को मोबाइल की लत से दूर कर अनुशासन, समय प्रबंधन और टीम वर्क सिखाया। कई अभिभावकों ने माना कि उनके बच्चों के आत्मविश्वास में गजब का इजाफा हुआ है। आयोजकों ने प्रशिक्षकों की मेहनत की सराहना करते हुए सभी को सम्मानित किया।

समर कैंप में महिलाओं की बड़ी भागीदारी

इस बार समर कैंप में बच्चों के साथ साथ महिलाओं और युवतियों की भी काफी संख्या में उपस्थिति रही। कैंप में सिलाई-कढ़ाई, मेहंदी, कुकिंग और स्पोकन इंग्लिश में महिलाओं ने उत्साह से प्रशिक्षण लिया। वहीं बच्चों ने स्केटिंग, बॉक्सिंग, क्रिकेट और फुटबॉल में जोश दिखाया। योगा और शतरंज में हर आयु वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया। ड्राइंग और संगीत ने रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच दिया। समापन समारोह में बैडमिंटन के खिलाड़ियों ने रैकेट के जौहर दिखाए तो स्केटिंग के बच्चों ने संतुलन के करतब से सबको दंग कर दिया। बॉक्सिंग के प्रतिभागियों ने पंच और फुटवर्क का डेमो दिया। योगा साधकों ने सूर्य नमस्कार से लेकर कठिन आसनों का प्रदर्शन किया। मेहंदी की बारीक कलाकारी और सिलाई-कढ़ाई के नमूने प्रदर्शनी में लगाए गए।

नेशनल जूडो चैंपियनशिप चंडीगढ़ में छग के 16 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

भिलाई। भारतीय जूडो महासंघ के तत्वावधान में चंडीगढ़ जूडो महासंघ द्वारा नेशनल कैडेट जूडो चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 10 जून से 13 जून तक चंडीगढ़ में किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के 16 खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। बालक वर्ग में ईसान भोई 50 किग्रा, ईशान साहू 55 किग्रा, अभय यादव 60 किग्रा, क्रिस मोरिया 66 किग्रा, ओम साहू 73 किग्रा, पी अभिषेक 81 किग्रा, दिव्यांशु निर्मलकर 90 किग्रा तथा मानक दत्ता 90 किग्रा से ऊपर के वजन वर्ग में दांव आजमाएंगे। बालिका वर्ग में प्रधानमंत्री पुरस्कार प्राप्त हेमवती नाग 40 किग्रा और प्रधानमंत्री पुरस्कार प्राप्त योगिता मांडवी 44 किग्रा के साथ दामिनी निषाद 48 किग्रा, निशा जयसवाल 52 किग्रा, लेखा नेताम 57 किग्रा, भूमिका शर्मा 63 किग्रा, धानी सिन्हा 70 किग्रा तथा कोमल सिंह 70 किग्रा से ऊपर के वजन वर्ग में मैट पर उतरेंगी। इस चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों का चयन एशियाई कैडेट जूडो चैंपियनशिप जकार्ता के लिए किया जाएगा। छत्तीसगढ़ टीम के प्रशिक्षक एवं प्रबंधक की जिम्मेदारी राजकुमार जायसवाल को सौंपी गई है। इसके साथ ही एशियाई जूनियर जूडो चैंपियनशिप के लिए राष्ट्रीय रैंकिंग जूडो चैंपियनशिप का आयोजन भी 13 जून से 15 जून तक चंडीगढ़ में होगा। इसमें छत्तीसगढ़ से रंजीता कुरेती 52 किग्रा, शौर्य राव घिगे तथा वरुण लहरें 81 किग्रा में भाग लेंगे। प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी, महासचिव शंभू राम सोनी, कोषाध्यक्ष आलोक मिश्रा तथा संघ के समस्त पदाधिकारियों ने टीम को शुभकामनाएं दी हैं।

■ गोल्ड जीतने पर मिलेगा एशियाई चैंपियनशिप जकार्ता का टिकट

निशुल्क शिविर में एक्यूप्रेशर-सुजोक से होगा घुटने-सर्वाइकल का इलाज

भिलाई। जिला साहू संघ दुर्ग द्वारा साहू सदन, केलाबाड़ी में एक्यूप्रेशर, वाइब्रेशन, सुजोक एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। 8 से 14 जून तक चलने वाले इस निशुल्क शिविर में घुटनों का दर्द, सर्वाइकल, साइटिका, कमर दर्द, जोड़ों का दर्द, वैरिकोस, लकवा, बवासीर जैसी गंभीर बीमारियों का उपचार किया जाएगा। जिलाध्यक्ष नंदलाल साहू ने बताया कि मानव सेवा ही माधव सेवा के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित है। प्रतिदिन सुबह 8.30 से 12.30 और शाम 4.30 से 9 तक दो पालियों में सेवा दी जा रही है। आयोजको ने बताया कि शिविर सभी धर्म, समुदाय और पंथ के मरीजों के लिए खुला है। शिविर के उद्घाटन अवसर पर प्रमुख सलाहकार रमेश साहू, डॉ. जी.आर. साहू, यमला साहू, लखन साहू, ईजी. प्रेम शंकर साहू, संगठन सचिव और पार्षद सविता पोषण साहू ने विचार रखे। उपाध्यक्ष डॉ. भारती साहू, छात्रावास अधीक्षक सुनील साहू, जिला सह मीडिया प्रभारी पोषण साहू, प्रचार प्रसार सचिव कुलदीप साहू, के.पी. साहू, महिला जिला संयोजिका ललेश्वरी साहू, भुनेश्वरी साहू, हेमलाल साहू उपस्थित रहे।

आईआईटी भिलाई और रूंगटा यूनिवर्सिटी की संयुक्त रिसर्च, शोध अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल अमेरिकन केमिकल सोसाइटी की अप्लाईड बायोमटेरियल में हुआ प्रकाशित

कार्नर न्यूज

एक इंजेक्शन से मधुमेह मरीजों को सात दिन तक नहीं लगानी पड़ेगी इंसुलिन

भिलाई। मधुमेह के मरीजों को भविष्य में बार-बार इंसुलिन के इंजेक्शन लेने की जरूरत कम हो सकती है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसी नई तकनीक विकसित की है, जो शरीर में रक्त शर्करा बढने पर खुद ही जरूरत के अनुसार इंसुलिन छोड़ती है। इस तकनीक की मदद से एक बार इंजेक्शन लगाने के बाद सात दिनों तक रक्त शूगर को नियंत्रित रखने की संभावना सामने आई है। इस शोध में रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी आरआईएसयू के स्कूल ऑफ फार्मेसी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजय गुप्ता ने आईआईटी भिलाई के नेतृत्व में की है। इसमें आईआईटी भिलाई के प्रोफेसर डॉ. सुचेतन पाल का विशेष मार्गदर्शन रहा है। वैज्ञानिकों ने इस शोध के दौरान एक विशेष प्रकार का जैल तैयार किया है। इस जैल में इंसुलिन को सुरक्षित तरीके से रखा जाता है। इसे इंजेक्शन के माध्यम से शरीर में पहुंचाया जाएगा। सामान्य तौर पर इंसुलिन शरीर में पहुंचने के बाद एक निश्चित समय तक ही काम करता है, लेकिन यह नया जैल इंसुलिन को एक साथ छोड़ने के बजाय धीरे-धीरे और जरूरत के अनुसार बाहर निकालता है। यह शोध अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल एसीएस अप्लाईड बायोमटेरियल्स में प्रकाशित हुआ है।

क्या है तकनीक की खासियत

इस तकनीक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह रक्त में शर्करा की मात्रा को पहचान सकती है। जब शुगर का स्तर बढ़ता है, तब जैल सक्रिय होकर इंसुलिन छोड़ता है। जैसे ही शर्करा का स्तर सामान्य होने लगता है, इंसुलिन का उत्सर्जन भी कम हो जाता है। यानी यह व्यवस्था शरीर की जरूरत के हिसाब से काम करती है। इससे रक्त शर्करा को लंबे समय तक संतुलित रखने में मदद मिल सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार वर्तमान में मधुमेह के लाखों मरीजों को नियमित रूप से इंसुलिन लेना पड़ता है। कई मरीजों को दिन में कई बार इंजेक्शन लगाने पड़ते हैं, जिससे असुविधा और परेशानी होती है। नई तकनीक का उद्देश्य इसी परेशानी को कम करना है। यदि यह तकनीक आगे के सभी परीक्षणों में सफल रहती है, तो मरीजों को बार-बार इंजेक्शन लेने की जरूरत काफी कम हो सकती है।

कैसे किया गया परीक्षण

शोधकर्ताओं ने विकसित किए गए विशेष इंसुलिन युक्त जैल का परीक्षण मधुमेह ग्रस्त चूहों पर किया। परीक्षण के दौरान जैल को एक बार इंजेक्शन के माध्यम से शरीर में दिया गया। इसके बाद लगातार कई दिनों तक रक्त शर्करा के स्तर की निगरानी की गई। अध्ययन में पाया गया कि जैल में मौजूद प्रणाली रक्त में शर्करा बढ़ने पर जरूरत के अनुसार इंसुलिन छोड़ती रही। इसके कारण रक्त शर्करा का स्तर नियंत्रित बना रहा। वैज्ञानिकों ने बताया कि विकसित किया गया यह जैल शरीर के ऊतकों के साथ आसानी से तालमेल बैठा लेता है और लंबे समय तक स्थिर बना रहता है। इसकी एक विशेषता यह भी है कि इसमें खुद को दोबारा व्यवस्थित करने की क्षमता है, जिससे इसका प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है।

सिटी इवेंट

बच्चों के लिए कॅरियर मार्गदर्शन एवं प्रेरणा सत्र का आयोजन

भिलाई। छत्तीसगढ़िया रेलवे कर्मचारी-अधिकारी संगठन शाखा भिलाई-चरोदा के तत्वावधान में रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए करियर मार्गदर्शन एवं प्रेरणा सत्र कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह संगठन पूरे प्रदेश में अपने विभिन्न शाखाओं के माध्यम से रेलवे में कार्यरत छत्तीसगढ़िया रेलवे कर्मचारी-अधिकारी के आपसी सद्भाव एवं एकता के लिए कृतसंकल्प है। कार्यक्रम में बच्चों के कैरियर निर्माण एवं बौद्धिक क्षमता के विकास के लिए अनेक क्षेत्रों के अनुभवी एवं पारंगत मार्गदर्शक (मेंटोर) जिनमें सह प्रशिक्षक तीरंदाजी पूर्व आर्मीमैन उमेश बघेल, आईटी एण्ड सॉफ्टवेयर इंजीनियर सागर साहू, छत्तीसगढ़ उद्योग एवं व्यापार महासंघ अध्यक्ष शेखर वर्मा, डिफेन्स अकादमी रायपुर के डायरेक्टर भूपेन्द्र शर्मा, आरएच मेडिकल कॉलेज व्याख्याता डॉ. प्रेमलाल साव, छत्तीसगढ़ उद्योग एवं व्यापार महासंघ सचिव कुबेर चंद्राकार ने बच्चों का मार्गदर्शन किया एवं कार्यक्रम का संचालन छत्तीसगढ़िया रेलवे कर्मचारी महिला अध्यक्ष रामेश्वरी साहू एवं मंडल अध्यक्ष तीजराम वर्मा ने किया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़िया रेलवे कर्मचारी-अधिकारी संगठन, शाखा : भिलाई-चरोदा के अध्यक्ष मनोज वर्मा, सचिव प्रमोद कुमार, उपाध्यक्ष रूपेश कुमार वर्मा, लक्ष्मी प्रसाद साहू, कोषाध्यक्ष रूपेश कुमार, सह-सचिव विनय वर्मा, कौशल घृतघृलहरे, सह-कोषाध्यक्ष कमलेश यादव, धर्मेन्द्र दीवान, महेश्वर महंत, सांस्कृतिक सचिव संतोष कूर्रे, राजेश साहू, योगेश्वर प्रजापति, संतोष बघेल उपस्थित थे।

सिटी लाइव

उत्कृष्ट कार्यों के लिए परिषद ने सुब्रमण्यम को किया सम्मानित

भिलाई। भारत विकास परिषद धवला एसोसिएट मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कृषि व्यवसाय से संबंधित कार्य के एसोसिएट डायरेक्टर कोट्टुरी सुब्रमण्यम को सामाजिक सेवा, युवा विकास, शिक्षा, साहसिक गतिविधियों और सामुदायिक कल्याण में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अग्रसेन भवन सेक्टर-6 की शाम आयोजित समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया। तीन दशकों से अधिक समय से यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के समर्पित सदस्य रहे सुब्रमण्यम वर्तमान में राज्य सचिव, दुर्ग-भिलाई इकाई के चेयरमैन और राष्ट्रीय परिषद के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं और युवा नेतृत्व, साहसिक गतिविधियों, पर्यावरण जागरूकता और राष्ट्रीय एकता को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहे हैं। उनकी उपलब्धियों में लिम्का बुक अवार्ड से सम्मानित होना और उधमपुर क्षेत्र में एक परिवार की जान बचाने के उनके साहसिक कार्य के लिए प्रतिष्ठित गॉडफ्रे फिलिप्स बहादुरी पुरस्कार के लिए नामांकित होना शामिल है। सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के साथ, वह और उनका परिवार नियमित रूप से वंचित छात्रों की शिक्षा का खर्च वहन करके, किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य आवश्यक शिक्षण सामग्री प्रदान करके उनकी सहायता करता हैं। उनकी सामुदायिक सेवा पहलों में रक्तदान शिविर और चिकित्सा शिविरों का आयोजन, दृष्टिबाधित और वंचित बच्चों को आवश्यक वस्तुओं का वितरण करके सहायता ,जरूरतमंद परिवारों को कपड़े और आवश्यक वस्तुएं दान ,वृक्षारोपण और पर्यावरण जागरूकता अभियान , ट्रेकिंग, पर्वतारोहण और बाइक यात्रा जैसी साहसिक गतिविधियां,विश्व प्रसिद्ध खारदुंग ला दर्रे का भ्रमण शामिल है। सामाजिक और साहसिक गतिविधियों के साथ-साथ सुब्रमण्यम आध्यात्मिक और भक्तिमय कार्यों में भी सक्रिय रूप से लगे रहते हैं। भारत विकास परिषद ने कोट्टूरी सुब्रमण्यम की समाज सेवा की सराहना की है। उन्हे यह नामांकन पेंड्रा निवासी विकास त्यागी दंपति द्वारा भेजा गया था।

भारती विश्वविद्यालय की तुलिका चौधरी शिक्षामंत्री पुरस्कार से सम्मानित

दुर्ग। भारती विश्वविद्यालय दुर्ग की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई की अंडर ऑफिसर तुलिका चौधरी को उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए शिक्षामंत्री नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार में प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि शामिल हैं। यह सम्मान भारती विश्वविद्यालय तथा उसकी एनसीसी इकाई के लिए भी गौरव का विषय एवं विश्वविद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं एवं एनसीसी कैडेटों के लिए प्रेरणादायक है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय प्रबंधन ने अंडर ऑफिसर तुलिका चौधरी को बधाई दी। कैडेट तुलिका ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय प्रशासन, एनसीसी प्रकोष्ठ के मार्गदर्शकों को दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बीएन तिवारी एवं कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र कुमार स्वर्णकार के सतत मार्गदर्शन, प्रोत्साहन एवं सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

● गौसेवा और पौधरोपण के माध्यम से दी सेवा, संस्कार एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गौसेवा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का अभिन्न अंग, पौष्टिक आहार खिलाकर आश्रय देने बनाया शेड

दुर्ग। जब सेवा संस्कार से मिलती है और प्रकृति से जुड़ती है, तब समाज बदलता है। दुर्ग के गोकुल नगर में कुछ ऐसा ही नजारा दिखा। श्री राधाकृष्ण गौशाला में गौमाता की पूजा से शुरू हुआ दिन, वृक्षारोपण और जीर्णोद्धार के संकल्प पर खत्म हुआ। महाराजा अग्रसेन वेलफेयर ट्रस्ट की युवा इकाई डब्ल्यूएसजी वेलफेयर सोशल ग्रुप ने एक साथ गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण और लोककल्याण की मिसाल पेश की। महाराजा अग्रसेन वेलफेयर ट्रस्ट दुर्ग की युवा इकाई डब्ल्यूएसजी वेलफेयर सोशल ग्रुप द्वारा गोकुल नगर स्थित राधाकृष्ण गौशाला में गौसेवा, वृक्षारोपण एवं गौशाला के जर्जर शेड के जीर्णोद्धार समर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा, संस्कार, गौसंरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा।

गुड़, दाना, कुट्टी, हरी सब्जियां खिलाकर की गौसेवा

कार्यक्रम की शुरुआत ट्रस्ट के चेयरमैन विजय अग्रवाल, अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल एवं महासचिव कैलाश रूंगटा के मार्गदर्शन में गौमाता की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद ट्रस्ट एवं समाज के सदस्यों ने गायों को गुड़, दाना, कुट्टी, हरी सब्जियां एवं अन्य पौष्टिक आहार खिलाकर गौसेवा का पुण्य कार्य किया। उपस्थितजनों ने गौसेवा को भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा का अभिन्न अंग बताते हुए इसे निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के प्रभारी वरिष्ठजन कमल नारायण रूंगटा, राधेश्याम अग्रवाल, सीता घनश्याम अग्रवाल, महेंद्र सेक्सरिया एवं राधेश्याम कीर्तुका के विशेष सहयोग से गौशाला परिसर में दस पौधों का वृक्षारोपण किया गया। सभी ने पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति, करुणा एवं सनातन जीवन मूल्यों का प्रतीक है। वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनका संरक्षण करने का संकल्प लेना चाहिए। वक्ताओं ने यह भी कहा कि अग्रवंश अपनी स्थापना काल से ही सेवा, सहयोग एवं लोककल्याण की भावना के लिए विशिष्ट पहचान रखता है।

गौवंश को बेहतर आश्रय देने शेड का कराया जीर्णोद्धार

ट्रस्ट के सचिव मुरारी अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत श्री राधाकृष्ण गौशाला में जर्जर अवस्था में पड़े शेड का जीर्णोद्धार भी डब्ल्यूएसजी वेलफेयर सोशल ग्रुप के सहयोग से कराया गया है, जिससे गौवंश को सुरक्षित एवं बेहतर आश्रय उपलब्ध हो सकेगा। इस सेवा कार्य की गौशाला प्रबंधन एवं समाज के वरिष्ठजनों ने सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय पहल बताया। इस अवसर पर राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन रूही अग्रवाल, पंकज कीर्तुका, संजय गर्ग, दिनेश अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, ट्रस्ट के उपाध्यक्ष संजय रूंगटा, बृजमोहन गोयल, कोषाध्यक्ष प्रेम अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, प्रो. डी.सी. अग्रवाल, प्रकाश खेतान, सुनील गोयल, सुरेश अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, गौरीशंकर अग्रवाल, प्रहलाद रूंगटा, बिमल सेक्सरिया, बंशीधर पोद्दार एवं गिरीश अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

दिखाई दी सामाजिक एकता

महिला मंडल की अध्यक्ष नीलू अग्रवाल सहित श्वेता अग्रवाल, तृप्ति अग्रवाल, सरिता गोयल, अनीता अग्रवाल एवं राजरानी अग्रवाल संगीता अग्रवाल भी उपस्थित रही। इसके अतिरिक्त अग्रवाल समाज एवं महाराजा अग्रसेन वेलफेयर ट्रस्ट के अनेक वरिष्ठजन, युवा, महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर सामाजिक एकता, सेवा एवं संस्कार की सुंदर मिसाल बने। डब्ल्यूएसजी वेलफेयर सोशल ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए भविष्य में भी गौसेवा, वृक्षारोपण एवं अन्य जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज, दुर्ग के अध्यक्ष ललित सेक्सरिया सहित उषा अग्रवाल, सुनीता रूंगटा, सीमा सेक्सरिया, शारदा अग्रवाल, बिमल राजगढ़िया एवं संगीता राजगढ़िया का सहयोग रहा। कार्यक्रम के समापन पर गौशाला प्रबंधन द्वारा महाराजा अग्रसेन वेलफेयर ट्रस्ट, दुर्ग एवं डब्ल्यूएसजी वेलफेयर सोशल ग्रुप के समस्त सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

प्लास्टिक मुक्त करने का दिया संदेश

बच्चों के नाम समर्पित किए गए पौधे, हरित भविष्य की ली शपथ

भिलाई। स्वच्छ, हरित और संतुलित पर्यावरण के निर्माण के लिए जागरूकता बढ़ाने खालसा पब्लिक स्कूल भिलाई में लीनेस क्लब भिलाई मेन द्वारा वृक्षारोपण कर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लब की सदस्याओं ने विद्यालय की बालिकाओं के साथ मिलकर छायादार एवं उपयोगी पौधों का रोपण किया साथ ही लगाए गए पौधों को विद्यार्थियों के नाम समर्पित किया, ताकि बच्चों में अपनत्व एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित हो। बालिकाओं को पेड़-पौधों का महत्व, पर्यावरण संरक्षण एवं नियमित देखभाल की जानकारी दी गई। प्रधानाचार्या लखविंदर ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। विद्यार्थियों में शुरू से प्रकृति के प्रति प्रेम जरूरी है, ताकि वे पर्यावरण संरक्षण के सशक्त वाहक बनें। शिक्षकों और छात्राओं ने उत्साह से भाग लेकर पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली तथा जल संरक्षण का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष रेविका बेदी, डिस्ट्रिक्ट सचिव प्रशासनिक विभा भूटानी, डिस्ट्रिक्ट सचिव सेवा सीमा यादव, सचिव नवनीत रेखी, कोषाध्यक्ष शुभ्रता नागपाल, सदस्य लवली रंधावा, डिंपल लहल, शोभा जांभुलकर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की शपथ ली।

कार्यक्रम आयोजित

महात्मा गांधी कला मंदिर में एक शाम बशीर के नाम पर हुई गजल संध्या

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा प्रसिद्ध शायर डॉ. बशीर बद्र की स्मृति में महात्मा गांधी कला मंदिर में 'एक शाम बशीर बद्र के नाम' ग़ज़ल संध्या हुई। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार थे व विशिष्ट अतिथि अरुण कुमार व पूर्व निदेशक गणतंत्र ओझा विशेष अतिथि व नरेंद्र बंछोर तथा उप महाप्रबंधक राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे।

परन राज भाटिया व अंतरराष्ट्रीय भजन एवं ग़ज़ल गायक श्री प्रभंजय चतुर्वेदी ने ब्रशील बद्र की कभी यूँ भी आ मेरी आँख में प्रस्तुति। बाद गायिका साधना रहाटगांवकर द्वारा सुरीली प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर पवन कुमार ने भी बशीर बद्र की यूँ ही बेसबब न फिरा करो गजल सुनाई। कार्यक्रम में तबले पर संगत अवध सिंह ठाकुर, सारंगी - शफीक हुसैन, बांसुरी बिहारी तारम भालचंद्र शेगेकर और की-बोर्ड पर साई चक्रवर्ती ने उत्कृष्ट संगत प्रदान की। कार्यक्रम का संचालनसुप्रियो सेन द्वारा किया गया। इस अवसर पर पीटी उल्लास कुमार, दुष्यंत हरमुख, दीपेन हलदार, रवीन्द्र कर्मकार, संदीप बोकीलवार, रवीश कालगांवकर, स्वाति देशपांडेय सहित संगीतप्रेमी उपस्थित थे।

कार्नर न्यूज

रागम तानम पल्लवी- सीजन 4 का आयोजन, सामाजिक जन हुए शामिल

तेलुगु संगीत प्रेमियों के लिए सजी संगीत संध्या श्रोताओं को किया आध्यात्मिक अनुभूति से सराबोर

भिलाई। पद्मश्री घंटसाला चैतन्य वेदिका के तत्वावधान में सेक्टर 5 बालाजी मंदिर के आंध्र भवन में तेलुगु संगीत प्रेमियों के लिए विशेष सांस्कृतिक संध्या रागम तानम पल्लवी–सीजन 4 का शानदार आयोजन किया गया। यह सुरमयी संध्या महान पार्श्वगायक पद्मविभूषण डॉ. एस. पी. बालासुब्रह्मण्यम की 80वीं जयंती की स्मृति में आयोजित की गई थी, जिसमें भिलाई और आसपास के क्षेत्रों के प्रतिभाशाली गायकों और गायिकाओं ने उनके अमर गीतों को उन्हीं के अंदाज में गाकर श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में उस समय पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा जब बालू के मानस पुत्र एवं पाडुता तीयगा फेम सेलिब्रिटी एन परमेश्वरी ने दिल को छूने वाले सुर में क्लासिकल फिल्म शंकराभरणम का गीत शंकरा नाद शरीरापरा गीत प्रस्तुत किया। आध्यात्मिक अनुभूति से सराबोर श्रोताओं को उनके दो और गीतों के रसास्वादन का भी अवसर मिला।

तीस से ज्यादा फिल्मी गाने सुरों से सजे

संगीत प्रेमियों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए इस कार्यक्रम में संगीत, स्मृतियों और सांस्कृतिक गौरव का सुंदर संगम देखने को मिला। इसी कड़ी में संगीत प्रेमियों को तेलुगु फ़िल्मों स्वाति किरणम, पवित्र बंधम, अल्लुडु मजाका, स्वराभिषेकम, वेटगाडु, गीतांजलि, मुठा मेस्त्री, प्रेमाभिषेकम, अनुबंधम सहित तीस से ज्यादा फिल्मी नगमे सुनने को मिले। अपनी गायकी से महफ़िल लूटने वालों में जी वेणुगोपाल, बी रामू, लक्ष्मण मूर्ति, विद्याशंकर श्रीनिवास, जोशना, प्रकाश, लक्ष्मीरानी, के राजू, सिरीषा, कुसुमा, शेखर, गीता, डी लता, एन चंदू, जी वेंकट, गीता और दिलीप शामिल हैं। कार्यक्रम में सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों में स्वास्थ्य, खाद्य एवं स्वच्छता विभाग के अध्यक्ष लक्ष्मीपति राजू, आंध्र साहित्य समिति के अध्यक्ष पीवी राव, सचिव पीएस राव, अखिल भारतीय तेलुगु सेना के प्रदेशाध्यक्ष नीलम चन्ना केशवलु समेत विभिन्न समाज प्रमुखों की मौजूदगी भी रही।

संगीत की विरासत नई पीढ़ी को सौंपी

वेदिका के अध्यक्ष एएस शर्मा और महासचिव के लक्ष्मीनारायण का कहना है कि यह आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि तेलुगु भाषा, संगीत और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के बाद गणेश वंदना से हुई, जिसे वेदिका के डायरेक्टर जी वेणुगोपाल ने सुरों से सजाया। इस मौके पर सेलिब्रिटी एन परमेश्वरी, अखिल भारतीय पंचायत परिषद के छत्तीसगढ़ प्रदेश संयोजक बीवीएस राजकुमार और रायपुर थोक सब्जी मंडी के अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी को शॉल तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

सिटी स्पोर्ट्स

राजनांदगांव को 24 रनों से हराया बस्तर बायसंस ने

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सी.सी.पी.एल.) के तृतीय संस्करण का आयोजन 03 जून से 14 जून तक शहीद वीर नारायण सिंह अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर में किया जा रहा है। मंगलवार का पहला मैच बस्तर बायसंस तथा राजनांदगांव पैथर्स के मध्य खेला गया। राजनांदगांव पैथर्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया। बस्तर बायसंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 185 रन बनाये। बस्तर बायसंस की ओर से राहुल प्रधान ने 73 रनों की शानदार पारी खेली। उनके अतिरिक्त ऋषि शर्मा तथा शशांक चंद्राकर ने 25-25 रनों का योगदान दिया। राजनांदगांव पैथर्स की ओर से सुमित रुईकर ने 3 विकेट, सत्यम दुबे तथा भावेष साहु ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। 186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजनांदगांव पैथर्स 19.1 ओवरों में 10 विकेट खोकर 161 रन ही बना सकी। राजनांदगांव पैंथर्स की ओर से कप्तान अजय मंडल ने 60 रन तथा आशीष डहरीया ने 42 रन बनाये। दोनों के मध्य पहले विकेट के लिये 109 रनों की साझेदारी हुयी। बस्तर बायसंस की ओर से अब्दुल अनस खान ने 3 विकेट तथा उत्कर्ष तिवारी ने 2 विकेट प्राप्त किया। बस्तर बायसंस ने 24 रनों से मैच जीत लिया। राहुल प्रधान प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

संडे ऑन साइकिल में जुटे स्कूली विद्यार्थी

उतई। केंद्रीय विद्यालय संगठन के अंतर्गत संचालित केंद्रीय विद्यालय, सी. आई. एस. एफ. भिलाई में फिट इंडिया अभियान के तत्वावधान में "संडे ऑन साइकिल" कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं समाज में फिटनेस, स्वस्थ जीवन शैली तथा साइकिलिंग के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. पंकज शुक्ला के मार्गदर्शन में आयोजित इस गतिविधि में विद्यालय के विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस अवसर पर भुबनेश्वरी, प्राचार्य ने अपने संदेश में कहा कि- स्वस्थ शरीर ही सफल जीवन की आधारशिला है। कार्यक्रम के समापन में धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के शिक्षक अनिल कुमार शर्मा ने दिया।

जिला मास्टर्स टेबल टेनिस में वरिष्ठ खिलाड़ियों के बीच शानदार मुकाबले

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के तत्वावधान में राजधानी टेबल टेनिस संघ द्वारा सप्रे शाला में 07 जून को आयोजित रायपुर जिला मास्टर्स टेबल टेनिस प्रतियोगिता कल संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशोर जादवानी थे। अध्यक्षता संघ के उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी ने की। मंच पर संघ के तकनीकी समिति के चेयरमैन अरविंद कुमार शर्मा एवं मुख्य निर्णायक पी. एन. मजूमदार उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण निरापुरे ने किया।

प्रतियोगिता को लीग पद्धति पर दो चरणों में आयोजित की गयी थी जिसमें प्रथम चरण में पुरुष एकल (आयु वर्ग 40) एवं आयु वर्ग 60 के दो ग्रुप में से प्रत्येक ग्रुप के प्रथम चार स्थान प्राप्त खिलाड़ियों ने दूसरे चरण के सुपर लीग में प्रवेश किया। पुरुष एकल (आयु वर्ग 40) विजेता शैलेश डागा, उपविजेता- राजेश अग्रवाल 2-0 तृतीय चिरंजीत राय इसमें तीनों खिलाड़ियों के मध्य टाई से स्थान निर्धारित हुआ. उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त राकेश यादव, नामित कोठारी, विनय केजरीवाल, दीपक वर्मा, संदीप चटर्जी ने क्रमशः चौथा से आठवां स्थान प्राप्त किया। पुरुष एकल (आयु वर्ग 60) विजेता पवन सादीजा, उपविजेता- अजीत बेनर्जी 2-0 तृतीय सुशांत बोरवणकर उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त अरविंद कुमार शर्मा, सुरेश दुबे, हरीश पांडे, के.बी. सिंह, जे.एम. राठोड़ ने क्रमशः चौथा से आठवां स्थान प्राप्त किया। महिला एकल (आयु वर्ग 40) विजेता सुश्री दिव्या आमदे, उपविजेता सुश्री रेणुका सुब्बा 2-0 तृतीय सुश्री प्रमिला देवांगन रहे। उपरोक्त तीनों खिलाड़ियों के अतिरिक्त डॉ. स्वाति बांठिया, सुश्री गीता पंडित, सुश्री निकहत परवीन अंसारी, सरोज धीरही ने क्रमशः चौथा से सातवां स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक पी. एन. मजूमदार एवं सहायक मुख्य निर्णायक पुलकित यदु थे। यह जानकारी प्रतियोगिता के आयोजन सचिव विनय बैसवाड़े ने दी।

बढ़ती उम्र के साथ हड्डियों की सेहत पर पड़ता है असर

दिनचर्या की इन गलतियों की वजह से बढ़ जाता है आर्थराइटिस का खतरा, बरतें कुछ सावधानियां

अक्सर कुछ लोगों कम उम्र में ही आर्थराइटिस की शिकायत हो जाती है, इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, इन्हीं में एक प्रमुख कारण है हमारी दिनचर्या की कुछ गलत आदतें। आइए इस लेख में जानते हैं दिनचर्या की किन गलतियों की से अर्थराइटिस की शिकायत होती है।

आर्थराइटिस यानी जोड़ों का दर्द, सूजन और अकड़न, यह एक ऐसी समस्या है जो आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ होती है। लेकिन आजकल युवाओं में भी दिनचर्या की कुछ गलत आदतों की वजह से आर्थराइटिस का जोखिम बढ़ रहा है। हमारा गलत खानपान, गतिहीन जीवनशैली और कुछ अनुचित आदतें सीधे तौर पर आर्थराइटिस के खतरे को बढ़ा देती हैं। ये आदतें हमारे जोड़ों पर अनावश्यक दबाव डालती हैं और उन्हें कमजोर करती हैं।

खासकर, मानसून के मौसम में नमी और बदलते मौसम के कारण जोड़ों का दर्द और भी ज्यादा परेशान करने लगता है। अच्छी बात यह है कि यदि हम समय रहते कुछ सावधानियां बरतें और अपनी दिनचर्या में जरूरी बदलाव लाएं, तो इस खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए इस लेख में हम उन आम गलतियों और जरूरी सावधानियों के बारे में जानते हैं, जिससे शरीर में आर्थराइटिस का

खतरा बढ़ जाता है। सबसे पहले गलतियों के बारे में जानते हैं।

गलतियां - गतिहीनता और खराब मुद्रा

दिनचर्या में लंबे समय तक बैठे रहना या गतिहीन जीवनशैली आर्थराइटिस का प्रमुख कारण है। ऑफिस में घंटों गलत मुद्रा में बैठने से जोड़ों और मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है, जिससे रीढ़, घुटने और कूल्हों में अकड़न बढ़ती है। गलत तरीके से वजन उठाना या बार-बार झुकने से जोड़ों की कार्टिलेज घिस सकती है, जो ऑस्टियोआर्थराइटिस का कारण बनता है। इसके अलावा, व्यायाम की कमी से जोड़ों का लचीलापन कम होता है, जिससे दर्द और सूजन का खतरा बढ़ता है।

असंतुलित आहार

असंतुलित आहार भी आर्थराइटिस के प्रमुख कारणों में से एक है। विटामिन D, कैल्शियम और ओमेगा-3 की कमी जोड़ों को कमजोर करती है। तला-भुना, प्रोसेस्ड फूड और चीनी युक्त खाद्य पदार्थ रूमेटॉइड आर्थराइटिस को ट्रिगर कर सकता है।

मोटापा

इसके अलावा मोटापा भी एक बड़ा जोखिम है, क्योंकि अतिरिक्त वजन घुटनों और कूल्हों पर दबाव डालता है, जिससे कार्टिलेज तेजी से घिसता है। इसलिए अपने वजन का संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी है।

सावधानियां - सक्रिय जीवनशैली और व्यायाम

आर्थराइटिस के जोखिम को कम करने के लिए

सक्रिय जीवनशैली अपनाएं। रोजाना 30 मिनट का हल्का व्यायाम, जैसे टहलना, योग, या स्ट्रेचिंग, जोड़ों को लचीला रखता है और मांसपेशियों को मजबूत करता है। स्विमिंग और साइकिलिंग जैसे कम प्रभाव वाले व्यायाम जोड़ों पर दबाव डाले बिना उनकी गतिशीलता बढ़ाते हैं। सही मुद्रा में बैठें और भारी वजन उठाते समय सावधानी बरतें। नियमित रूप से पेल्विक फ्लोर और कोर स्ट्रेंथ एक्सरसाइज करें।

आहार और चिकित्सीय सलाह

आहार में एंटी-इन्फ्लेमेटरी खाद्य पदार्थ जैसे हल्दी, अदरक, ओमेगा-3 युक्त मछली, नट्स, और हरी सब्जियां शामिल करें। विटामिन D के लिए धूप लें और कैल्शियम युक्त दूध, दही खाएं। वजन नियंत्रित रखने के लिए संतुलित आहार अपनाएं और प्रोसेस्ड फूड से बचें। अगर जोड़ों में दर्द, सूजन या अकड़न लंबे समय तक बनी रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

किसी भी मौसम में हो सकती है आपको पानी की कमी, ऐसे बचें

बहुत से लोगों को लगता है कि शरीर में पानी की कमी सिर्फ गर्मी के मौसम में ही हो सकती है, लेकिन ये पूरा सच नहीं है। किसी भी मौसम में डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। आपको यह जरूर जानना चाहिए कि शरीर में पानी की कमी होने पर क्या लक्षण दिखते हैं।

हमारे शरीर का ज्यादातर हिस्सा, लगभग 60-70%, पानी से बना है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाता है। पाचन से लेकर रक्त संचार और शरीर का तापमान बनाए रखने तक, पानी हर जरूरी शारीरिक क्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन जब शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिसे हम डिहाइड्रेशन भी कहते हैं, तो यह स्थिति हमारे स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकती है।

डिहाइड्रेशन कई वजहों से हो सकता है, जैसे ज्यादा पसीना आना, बार-बार दस्त लगना या फिर पर्याप्त पानी न पीना। बच्चे और बुजुर्गों में डिहाइड्रेशन का खतरा अधिक होता है। अगर समय रहते इस पर ध्यान न दिया जाए, तो यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। डिहाइड्रेशन के कारण थकान,

चक्कर आना और कई बार तो इंसान बेहोश भी हो सकता है। इसलिए, यह समझना बेहद जरूरी है कि डिहाइड्रेशन क्या है, इसके क्या लक्षण हैं, और सबसे महत्वपूर्ण है कि इससे बचाव के लिए किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं।

डिहाइड्रेशन के लक्षण

डिहाइड्रेशन के शुरुआती लक्षणों में प्यास लगना, मुंह सूखना, थकान और चक्कर आना शामिल हैं। गंभीर डिहाइड्रेशन में पेशाब का रंग गहरा पीला होना, कम पेशाब आना, त्वचा में रूखापन आना, तेज धड़कन और सिरदर्द जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। अगर डिहाइड्रेशन बढ़ जाए, तो यह किडनी की समस्या, बेहोशी या गर्मी से संबंधित बीमारियों जैसे हीटस्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए समय रहते इसपर ध्यान देना बहुत जरूरी होता है।

डिहाइड्रेशन के कारण

डिहाइड्रेशन का मुख्य कारण पर्याप्त पानी न पीना है, खासकर गर्मी या मानसून में जब पसीना अधिक निकलता है। दस्त, उल्टी या बुखार के दौरान शरीर से तरल पदार्थ तेजी से निकलता है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ता है। अत्यधिक शराब या कैफीन का सेवन भी मूत्रवर्धक प्रभाव के कारण पानी की कमी हो सकती है। डायबिटीज या किडनी रोग वाले मरीजों में बार-बार पेशाब के कारण डिहाइड्रेशन होने की आशंका अधिक होती है।

बचाव के उपाय

डिहाइड्रेशन से बचने के लिए दिन में 8-10 गिलास पानी पीएं। गर्मी या व्यायाम के दौरान हर 20-30 मिनट में पानी जरूर पिएं। दस्त या उल्टी के दौरान ओआरएस या नमक-चीनी का घोल शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखता है। फल जैसे तरबूज, संतरा और नारियल पानी हाइड्रेशन बनाए रखने में मदद करते हैं। कैफीनयुक्त पेय और शराब से बचें।

बिजनेस में तरक्की चाहते हैं तो जरूर अपनाएं वास्तु के उपाय

हमारे घर से लेकर वर्कप्लेस तक के लिए कई ऐसे वास्तु नियमों के बारे में बात की जाती है जो जीवन में आपको उन्नति दिलाने में मदद कर सकते हैं। आइए जानें ऐसी ही कुछ वास्तु की टिप्स के बारे में जो आपके बिजनेस में तरक्की का कारण बन सकते हैं।

वास्तु शास्त्र आपके व्यवसाय में सफलता और वृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आइए यहां जानें कुछ ऐसे वास्तु टिप्स जो आपके व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं और आपको जल्द ही मुनाफा होने लगेगा-

अगर आप बिजनेस में ग्रोथ के बारे में सोच रही हैं तो आपको बिजनेस की सही दिशा चुननी चाहिए। उत्तर, उत्तर-पूर्व और पूर्व दिशाएं किसी भी व्यवसाय की वृद्धि के लिए शुभ मानी जाती हैं।

अपने वर्कप्लेस को दक्षिण-पश्चिम या दक्षिण-पूर्व में रखने से बचें, क्योंकि ये दिशाएं आर्थिक हानि का कारण बन सकती हैं। वास्तु के अनुसार वर्कप्लेस पर बैठने के लिए सबसे अच्छी दिशा चुननी जरूरी है। वर्कप्लेस में प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए आपको और बिजनेस से जुड़े उच्च अधिकारियों को उत्तर या पूर्व की ओर मुख करके बैठना चाहिए। सभी एम्प्लोयी को ऐसे बैठना चाहिए कि उनकी पीठ मुख्य द्वार की ओर न हो।

किसी भी ऑफिस या दुकान का मुख्य द्वार आदर्श रूप से उत्तर, उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।किसी भी रूप में आप दक्षिण-मुखी प्रवेश द्वार से बचें, क्योंकि इससे व्यवसाय में संघर्ष और वित्तीय नुकसान हो सकता है। धन वृद्धि के लिए कैश काउंटर और लॉकर की स्थिति भी वास्तु अनुसार होनी चाहिए। धन को आकर्षित करने के लिए कैश काउंटर हमेशा उत्तर दिशा में होना चाहिए। ऑफिस के लॉकर या तिजोरी को उत्तर की ओर मुंह करके दक्षिण-पश्चिम दिशा

में रखना चाहिए।

अगर वर्कप्लेस पर कोई बीम है तो आपको उसके ठीक नीचे बैठने से बचना चाहिए। बीम के ठीक नीचे बैठने से मानसिक तनाव बना रहता है। अपनी डेस्क ऐसी होनी चाहिए जिसके सामने खाली दीवार न हो। कैश लॉकर के सामने यदि आप दर्पण रखती हैं तो आपको बिजनेस में लाभ हो सकता है और आपकी समृद्धि बनी रह सकती है। ऑफिस में किसी भी तरह का टूटा शीशा नहीं होना चाहिए। अगर दरवाजे या खिड़की का शीशा टूट जाए तो उसे तुरंत ही बदल देना चाहिए। वर्कप्लेस में सफलता को आकर्षित करने के लिए दीवारों पर नीला, हरा या पीला रंग इस्तेमाल करें। उस जगह पर लाल और काले रंग के अत्यधिक इस्तेमाल से बचें क्योंकि ये जीवन में अस्थिरता ला सकते हैं।

अपनी दुकान या ऑफिस का नाम चुनते समय ज्योतिष या अंक ज्योतिष की राय अवश्य लें। ऐसा नाम चुनें जो सकारात्मक अंक ज्योतिष और व्यावसायिक लक्ष्यों के साथ प्रतिध्वनित हो। यही नहीं नाम का उच्चारण और वर्तनी आसान होनी चाहिए।

रहना चाहते हैं फिट और हेल्दी तो अपनाएं इन्हें

रात का भोजन दिनभर के खानपान का अहम हिस्सा होता है। इसका आपके शरीर पर गहरा असर पड़ता है। रात को सही आहार खाना आपकी सेहत को बनाए रखने और नींद में सुधार लाने में मदद कर सकता है। अगर आप फिट और हेल्दी रहना चाहते हैं तो रात के खाने पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

सूप: हरी सब्जियों और दाल से बना सूप शरीर को हल्का रखता है और पर्याप्त पोषण देने का काम करता है। यह पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है और वजन घटाने में सहायक हो सकता है।

सलाद : ताजे फल और सब्जियों का सलाद, जैसे खीरा, टमाटर, गाजर, और पत्तेदार साग, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होता है। सलाद हल्का और पचने में आसान होता है।

दही : दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो पाचन तंत्र को सही रखते हैं। आप इसे फल या शहद के साथ खा सकते हैं।

दलिया: ओट्स फाइबर और प्रोटीन के लिए एक बेहतरीन सोर्स होते हैं। आप इसे दूध के साथ खा सकते हैं और अपनी पसंद के अनुसार फल डाल सकते हैं।

अंडे : अंडे प्रोटीन और अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत हैं। आप उबले अंडे या ओमेलेट बना सकते हैं, जो हल्के और स्वादिष्ट होते हैं।

कद्दू के बीज और नट्स : कद्दू के बीज और नट्स जिंक, आयरन और मैग्नीशियम का अच्छा स्रोत होते हैं, जो रात में शरीर की रिकवरी में मदद करते हैं। कुछ नट्स जैसे बादाम या अखरोट भी खाने के लिए अच्छे होते हैं।

कार्नर न्यूज

मसल्स बॉडी बनाने के दौरान होने वाली गलतियों से बचिए

मसल्स वाली बॉडी बनाने की चाहत है तो इन टिप्स को देखिए आजमाकर, हैरान रह जाएंगे बदलाव देखकर

जिम जाकर खुद को फिट और बॉडी को बेहतरीन शेप देने की कोशिश कर रहे पुरुष चाहते हैं मसल्स वाली बॉडी बनाना। लेकिन कितने पुरुषों को इसका सही तरीका पता है? हो सकता है सबको सही तरीका पता हो, लेकिन इसके साथ किन गलतियों को करने से बचना है, वो न पता हो। जी हां अक्सर पुरुष मसल्स ग्रोथ करने की कोशिश में कुछ गलतियां कर बैठते हैं।

ये वो गलतियां हैं जो आपकी घंटों की मेहनत को बेकार कर देती हैं। ये आपके मसल्स ग्रोथ को बेहतर होने ही नहीं देती हैं। हो सकता है आप भी जिम में पसीना बहाते हुए ऐसी ही गलतियां कर रहे हों। इन गलतियों को पहचान लीजिए और मसल्स ग्रोथ को बढ़ा लीजिए।

लिफ्ट हों धीमे-धीमे

अक्सर कई पुरुष सोचते हैं कि बड़े मसल्स के लिए आपको भारी वजन जल्दी-जल्दी उठाना जरूरी होगा। लेकिन ऐसा नहीं है। आप भारी वजन उठाइए लेकिन धीरे-धीरे। दरअसल धीरे-धीरे किए गए रैप्स के साथ किसी खास मसल्स पर फोकस करना आसान हो जाता है। धीमे रैप्स के साथ

मसल्स को उनके मोशन के फुल रेंज तक ले जाया जा सकता है। इसके साथ ग्रोथ और बेहतर और एक सी होती है

भारी वजन के ज्यादा रैप्स

याद रखिए, आप अगर आपको मसल्स ग्रोथ बढ़ानी है तो भरी वजन उठाने के साथ इसके रैप्स भी ज्यादा करने की कोशिश करनी होगी। सुनिश्चित करें कि आप सही फॉर्म में वजन उठाएं। अगर आपको लग रहा है कि आप एक्सरसाइज का मोशन पूरा नहीं कर पाएंगे तो हल्का वजन ही उठाएं लेकिन एक्सरसाइज पूरी करें। लेकिन ये बात भी सही है कि ज्यादा वजन उठाने पर रैप्स ज्यादा नहीं हो पाते हैं। हालांकि आप भारी वजन के साथ 8 से 10 रैप्स ले सकते हैं। इसलिए इतना करने की तो कोशिश करें हीं।

रिकवरी है जरूरी

याद रखिए, मसल्स ग्रोथ तब नहीं होती है जब आप जिम में मेहनत कर रहे होते हैं बल्कि ये तब होती है, जब मसल्स आराम कर रही होती हैं। किसी खास मसल्स ग्रुप की एक्सरसाइज करने के बाद इसे कम से कम 48 घंटे का आराम मिलना चाहिए। तब ये आसानी से रिकवर और ग्रो कर पाती हैं। इसके लिए टाइम टेबल बनाएं, जिसमें किसी खास मसल्स ग्रुप के लिए अलग-अलग दिन निश्चित किए गए हों। जैसे आपने सोमवार को लेग डे सुनिश्चित किया है तो अगली बार ये एक्सरसाइज गुरुवार को ही करें।

एक ही मोशन की आदत है गलत

आपकी मसल्स को अगर एक ही तरह की एक्सरसाइज कराई जाती रहेगी तो इसको इसकी आदत पड़ जाएगी। इस आदत के चलते मसल्स ग्रोथ कम होने लगेगी। इसलिए जरूरी है कि आप मशीनों में हर कुछ दिन में बदलाव करते रहें। या फिर रैप्स की स्पीड और संख्या में भी बदलाव किए जा सकते हैं।

ज्यादा कार्डियो धीमी मसल्स ग्रोथ

कार्डियो एक्सरसाइज जरूरी तो हैं लेकिन इनको सीमा से ज्यादा कर लेना भी सही नहीं है। ऐसा करने पर मसल्स ग्रोथ काफी धीमी हो जाती है।

इसलिए अगर आप मसल्स ग्रोथ बढ़ाना चाहते हैं तो आपको एरोबिक एक्सरसाइज पर ज्यादा ध्यान देना होगा। कार्डियो एक्सरसाइज को हर हफ्ते 75 मिनट तक ही करें। 150 मिनट तक मॉडरेट एक्सरसाइज भी की जा सकती है।

प्रोटीन का इंटेक

अगर आपको मसल्स ग्रोथ बढ़ाना है तो आपको कैलोरी और प्रोटीन की मात्रा खाने में बढ़ानी होगी। प्रोटीन मसल्स्स के डेवलेपमेंट में सबसे जरूरी होता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

निकोलस केज ने बदला कानूनी तौर पर अपना नाम, एक्टर ने किया खुलासा

ऑस्कर जीत चुके अभिनेता निकोलस केज ने कानूनी तौर पर अपना नाम बदल लिया है, ऐसा उन्होंने पिछले साल ही किया था। नाम बदलने की वजह को अभिनेता ने साझा किया है। हॉलीवुड एक्टर निकोलस केज का असली नाम निकोलस किम कोपोला है। पिछले साल उन्होंने अपने स्टेज नाम को ही अपना कानूनी नाम बना लिया। एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने नाम बदलने की वजह का भी खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में एक्टर ने कहा, 'मैं निक केज हूं। मैंने पिछले साल कानूनी तौर पर अपना नाम बदल लिया। मैं असल जिंदगी में भी निक केज हूं और कैमरे के सामने भी निक केज हूं। किसी और के परिवार के हाशिये पर खड़े होकर उनका चचेरे भाई बनने से बेहतर है कि मैं अपने छोटे से परिवार का मुखिया बना रहूं। यही वजह है कि मैंने तय किया कि मैं इसी नाम को पहचाना जाऊं।' एक्टर निक केज ने अपना सरनेम मार्वल कॉमिक्स के किरदार ल्यूक केज से लिया। उन्होंने बताया कि उनके परिवार में इस किरदार के बारे में काफी बातें होती थीं। निक केज ने कहा, 'मैंने सोचा ठीक है। मैं 'निकोलस' नाम तो रखूंगा ही क्योंकि मेरे पिता ने मेरा नाम निकोलस रखा था। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि लोग निक कहकर बुलाते हैं या निकोलस। मैं दोनों ही हूं। मुझे लगता है कि लोग मुझे दोनों ही नामों से जानते हैं।' निक केज दिवंगत ऑगस्ट कोपोला के बेटे हैं, जो फ्रांसिस फोर्ड कोपोला और शायर तालिया रोज कोपोला के बड़े भाई थे। कोपोला परिवार के अन्य मशहूर सदस्यों में फ्रांसिस फोर्ड की बेटी सोफिया कोपोला और तालिया के बेटे जेसन भी शामिल हैं।

टॉलीवुड

'सिंग गीथम' बनी 45 साल में, रिलीज हो रही सबसे बुजुर्ग फिल्ममेकर की फिल्म

कमल हासन हाल ही में हैदराबाद में दुनिया के सबसे उम्रदराज जीवित और सक्रिय फिल्म निर्माता सिंगीथम श्रीनिवास राव के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे। 94 साल के सिंगीथम श्रीनिवास राव ने 93 साल की उम्र में फिल्म 'ज्यूरर 2' (2024) का निर्देशन करके क्लिंट ईस्टवुड का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

इस दौरान कमल हासन ने सिंगीथम श्रीनिवास राव की आगामी फिल्म 'सिंग गीथम' के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे 45 साल पहले बनने वाली इस फिल्म के वक्त उनकी उम्र सिर्फ 20-21 साल थी। अब जब ये फिल्म रिलीज हो रही है, तब उनकी उम्र 71 साल है। इसके साथ ही उन्होंने सिंगीथम श्रीनिवास राव के साथ काम करने का अपना अनुभव भी साझा किया। 94 साल के सिंगीथम श्रीनिवास राव की आगामी फिल्म 'सिंग गीथम' 11 जून को रिलीज हो रही है। फिल्म निर्माता के साथ अपने लंबे जुड़ाव के बारे में बात करते हुए कमल हासन ने कहा कि मुझे लगता है कि 'मायाबाजार' चेन्नई में 12 अप्रैल 1957 को रिलीज हुई थी। अब 11 जून को दो महीने बाद। मुझे पता है कि उन्हें ऐसा ही महसूस हो रहा होगा।

कुछ भी नहीं बदला है, और सिनेमा आज भी उनके साथ है। यह बहुत खास है। उन्होंने खुलासा किया कि जब उन्होंने पहली बार सिंगीथम के साथ काम किया था तब वे केवल 21 साल के थे। मुझे नहीं पता कि निर्देशन टीम में सबसे कम उम्र का कौन है? मैं उनसे उससे पहले मिला था। मैं 21 साल का था जब मैंने वह सब किया जो इन लड़कों ने उनके साथ किया था। मैं अनजाने में, स्वेच्छा से, उनका असिस्टेंट डायरेक्टर बन गया। संयोग से मैं फिल्म का निर्माता भी हूं। लेकिन मुख्य उद्देश्य उनके साथ काम करना था।

भोजपुरी

अक्षरा ने सुनाई 'वेलकम टू द जंगल' के 'घिस घिस' की अनोखी कहानी

अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के भोजपुरी गाने में अक्षरा सिंह अक्षय कुमार के साथ 'घिस घिस' गाने में डांस करती नजर आईं। उन्होंने कहा- मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे अक्षय सर के साथ काम करने का मौका मिलेगा। एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि अक्षय कुमार भोजपुरी भाषा को समझने में भी काफी रुचि दिखा रहे थे।

भोजपुरी एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के भोजपुरी गाने को लेकर चर्चा में हैं। इस गाने में वह अक्षय कुमार के साथ 'घिस घिस घिस' गाने में एनर्जेटिक अंदाज में नजर आईं। अक्षरा ने इस अनुभव को अपने करियर का बेहद खास पल बताया। उन्होंने कहा कि भोजपुरी भाषा को इतने बड़े मंच पर पेश करना उनके लिए गर्व की बात है। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर गाने का क्लिप शेयर किया और उन्होंने लिखा, 'चेतावनी! ई गाना सुनके अगर आप नाचने लग जाएंत हमरा पर इल्जाम मत लगाइएगा। घिस घिस घिस रिलीज कर दिया गया है।' बता दें कि यह एक धमाकेदार पार्टी और डांस-ओरिएंटेड आइटम नंबर है, जिसकी बीट्स बेहद शानदार है। इस गाने में बॉलीवुड के ग्लैमर और भोजपुरी का देसी अंदाज देखने को मिल रहा है। 'घिस घिस घिस' गाने में अक्षय कुमार और अक्षरा सिंह जबरदस्त अंदाज में डांस करते नजर आ रहे हैं। दोनों भोजपुरी स्टाइल को बखूबी से दर्शाते हुए ठुमके लगाते नजर आ रहे हैं।

समर ट्रेंड

सप्रिंग समर 2026 के फैशन ट्रेंड में स्थिरता, पुरानी यादों और तकनीकी नवाचार पर जोर दिया गया है। फैशन में पर्यावरण के अनुकूल सामग्रियों और नैतिक उत्पादन विधियों को अपनाया जा रहा है, जो पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। समावेशिता अभी भी आवश्यक है, जिसमें विभिन्न पहचानों और शारीरिक बनावटों को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन बनाए जा रहे हैं, जो अनुकूलनीय और बहुमुखी परिधानों को उजागर करते हैं।

आंखों के नीचे डार्क सर्कल हटाने घरेलू नुस्खे अपनाएं, एक महीने में दिखने लगेगा फर्क

आजकल की लाइफस्टाइल और खान-पान इतना बदल गया है कि उसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने लगा है। घंटों-घंटों मोबाइल देखना और लैपटॉप पर काम करने की वजह से लोगों न सिर्फ आंखें दुखने लगी हैं, बल्कि इसके साथ-साथ आंखों के नीचे गहरे काले निशान भी आने लगे हैं।

यदि शुरुआती दिनों में इन डार्क सर्कल पर ध्यान न दिया जाए तो ये इतना बढ़ जाते हैं, कि इसकी वजह से चेहरा भी अजीब दिखने लगता है। अगर आप भी इसी दिक्कत से परेशान हैं तो हमारे बताए गए तीन नुस्खों को आजमाकर देख लें। यहां हम आपको कुछ ऐसे ही नुस्खों के बारे में बताएंगे, जिनके इस्तेमाल के बाद एक महीने में आंखों के काले घेरे एकदम कम हो जाएंगे।

खीरा: यदि आप भी घरेलू नुस्खों की मदद से डार्क सर्कल को कम करना चाहते हैं तो उसके लिए खीरा आपकी मदद करेगा। दरअसल, खीरे में एंटीऑक्सिडेंट और ठंडक

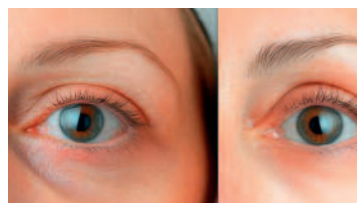

देने वाले तत्व होते हैं जो आंखों को आराम देते हैं और काले घेरों को कम करते हैं।

इसके इस्तेमाल के लिए आपको सबसे पहले खीरे को पतले स्लाइस में काटना है। अब इसे अपनी आंखों पर रख लेना है। कोशिश करें कि ये खीरा ठंडा हो, इससे आपकी आंखों को भी राहत मिलेगी। 20 मिनट के लिए दिन में दो बार ऐसा ही करें। इससे आंखों के नीचे आए काले घेरे खुद ब खुद कम हो जाएंगे।

आलू का रस: हर भारतीय घर में आलू बड़ी ही आसानी से मिल जाता है। इसका इस्तेमाल सब्जी बनाने के साथ-साथ स्किन केयर में भी किया जाता है। दरअसल, आलू में पाए जाने वाले एंजाइम और विटामिन C डार्क सर्कल को हल्का करने में मदद करते हैं।

इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले कच्चे आलुओं को कद्दूकस कर लें। अब इसे कॉटन के कपड़े में बांधकर उसका रस निकाल लें। रस निकालने के बाद इसे रुई की मदद से अपनी आंखों के नीचे अप्लाई करें। 20 मिनट के बाद अपने चेहरे को धो लें। हफ्ते में कम से कम 5 बार ऐसा करें और फिर इसका असर देखें।

बादाम तेल और नारियल तेल की मसाज: ये दोनों तेल यदि आपके घर में मौजूद हैं तो इनके इस्तेमाल से डार्क सर्कल को कम करें। दरअसल, ये दोनों तेल त्वचा को पोषण देते हैं और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करके डार्क सर्कल को कम करते हैं। इसका इस्तेमाल भी काफी आसान है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको सबसे पहले बराबर मात्रा में बादाम तेल और नारियल तेल मिक्स करना है।

अब लिपस्टिक बार-बार लगाने की जरूरत नहीं, ये ट्रिक्स करेंगी कमाल

यदि आपकी लिपस्टिक भी एक से दो घंटे में खराब हो जाती है तो अब परेशान होने की जरूरत नहीं है। हमारी बताई गई टिप्स से आप अपनी सिंपल लिपस्टिक को भी घंटों टिका सकते हैं। शायद ही कोई महिला होगी, जिसे लिपस्टिक लगाना पसंद न हो। अब तो छोटी-छोटी बच्चियों से लेकर कॉलेज जाने वाली लड़कियों के पास तक लिपस्टिक का शानदार कलेक्शन होता है। लिपस्टिक लगाने से लुक एकदम बदल सा जाता है। लिपस्टिक लगाना जितना आसान है, उतना ही कठिन होता है लंबे समय तक इसे टिकाए रखना। दरअसल, ज्यादा महिलाओं की यही शिकायत रहती है कि उनकी लिपस्टिक जल्दी मिट हो जाती है। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसी ही ट्रिक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करने के बाद आपकी सस्ती सी लिपस्टिक भी घंटो तक टिकी रहेगी।

होंठों को पहले करें स्क्रब

चेहरे के साथ-साथ होंठों की डेड स्किन निकालना भी काफी जरूरी हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यदि आपके होंठों पर डेड स्किन जमा रहेगी तो इसपर लिपस्टिक का

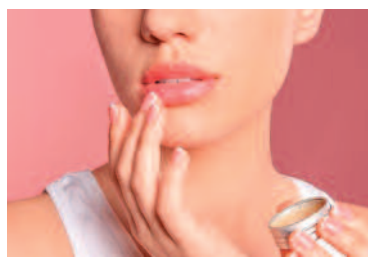

ज्यादा लंबे समय तक टिकना मुश्किल होगा। इसलिए हफ्ते में कम से कम तीन बार अपने होंठों को एक्सफोलिएट करें। इसके लिए पिसी हुई चीनी और शहद के मिश्रण को होंठों पर लगाएं और हल्के हाथ से मसाज करें। इसके बाद किसी मुलायम ब्रश की मदद से होंठों को साफ कर लें।

लिप बाम लगाएं

सूखे होंठों पर लिपस्टिक ज्यादा समय तक टिक नहीं पाती है। इसलिए जब भी कभी लिपस्टिक लगा रही हैं तो पहले अपने बालों में लिप बाम अवश्य लगाएं। इससे आपके होंठ मुलायम बने रहेंगे। ध्यान रखें कि यदि आप ज्यादा लिप बाम का इस्तेमाल करेंगे तो इससे आपकी लिपस्टिक ग्लॉसी दिखेगी।

पैरों की बदबू से परेशान हैं तो ये उपाय अपनाएं और पाएं फ्रेशनेस का एहसास

गर्मी के मौसम में शरीर से बदबू आना काफी सामान्य बात है। लेकिन दिक्कत तब होती है, जब ये बदबू बढ़कर लोगों को परेशान करने लगे। खासतौर पर बात करें पैरों की तो जो लोग जूते पहनते हैं, उनके पैरों में बदबू काफी ज्यादा आती है। कई बार तो जूते उतारने के बाद बैठना भी काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आप कुछ नुस्खे आजमाकर इस दिक्कत से छुटकारा पा सकते हैं। यहां इस लेख में कुछ असरदार घरेलू उपाय दिए गए हैं, जिन्हें अपनाकर आप इस परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए आपको बस कुछ टिप्स को फॉलो करना है।

नमक के पानी में धोएं

यदि आपके पैरों से काफी ज्यादा बदबू आ रही है तो नमक का पानी इस बदबू को दूर करेगा। इसके लिए सबसे पहले एक बाल्टी में गुनगुना पानी लेकर उसमें नमक घोलें। अब इस पानी में 15–20 मिनट पैरों को भिगोकर रखें। इससे बैक्टीरिया और पसीने की बदबू कम होती है। ये नमक वाला पानी पैरों की थकान को भी दूर करने का काम करेगा।

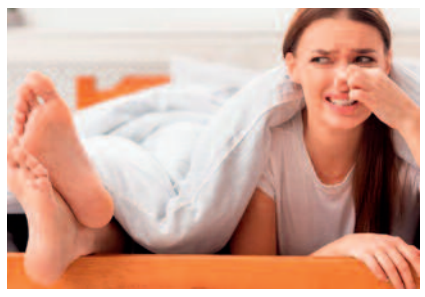

नीम का तेल आएगा काम

नीम के पत्तों और तेल में एंटी-बैक्टीरियल तत्व पाए जाते हैं, जो पैरों से बदबू को भगाने में कारगर रहेंगे। इसके लिए आपको सबसे पहले पैरों को धोना है और फिर उसपर नीम के तेल अप्लाई करना है। थोड़ी देर इसे ऐसे ही रहने दें और फिर अपने पैरों को धो लें। इससे भी आपको तुरंत बदबू से राहत मिलेगी। बाजार में टी ट्री ऑयल भी बड़ी आसानी से मिल जाता है। पैरों की बदबू दूर करने के लिए भी आप टी ट्री ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

यंग गर्ल्स ऑफिस में स्टाइल करें काफ्तान कुर्तियां, दिखेंगे फैशनेबल

यदि आप भी ऑफिस में कुछ यूनिक और स्टाइलिश ट्राई करने का सोच रही हैं तो आज हम आपको कुछ काफ्तान कुर्तियां दिखाने जा रहे हैं। जिनको आप कैरी करके खुद को स्मार्ट लुक दे सकती हैं।

यदि आप वर्किंग वुमेन हैं फिर तो आपको भी हर रोज सुबह ऑफिस जाने से पहले सोचना पड़ता होगा कि आखिर क्या पहना जाए। जी हां हर एक महिला को इस समस्या का सामना करना पड़ता है। किस तरह लुक को हर रोज स्टाइलिश और क्लासी बनाया जाए।

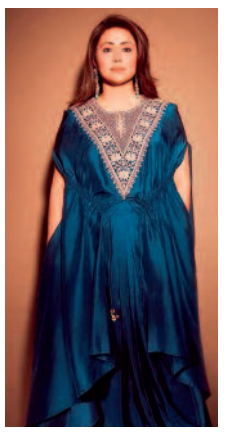

टाई एंड डाई प्रिंट काफ्तान कुर्ती

यदि आप ऑफिस में स्टाइल के साथ कंफर्ट भी चाहती है, तो उसके लिए जॉर्जेट की टाई एंड डाई प्रिंट कुर्ती बेस्ट ऑप्शन है। इसके संग आप कोई भी व्हाइट पेंट, प्लाजो या जींस कैरी कर सकती हैं। ऐसी काफ्तान कुर्तियां कैरी करने के बाद काफी अट्रैक्टिव लुक देती हैं। इनके संग आप कोई भी मेटल झुमके न्यूड मेकअप और ओपन हेयर से अपना लुक और भी ज्यादा खूबसूरत बना सकती हैं। यह आपको ऑनलाइन 400 से 800 तक की रेंज में मिल जाएंगी।

सिल्क पैच वर्क शार्ट काफ्तान कुर्ती

आप चाहे तो इस तस्वीर में नजर आ रही पिंक कलर की सिल्क फैब्रिक कुर्ती को भी ट्राई कर सकती हैं। इस कुर्ती पर बड़ा सा फ्लोरल पैच लुक को काफी खूबसूरत बना रहा है। लूज फिटिंग होने की वजह से गर्मियों के लिए काफ्तान कुर्तियां परफेक्ट रहती हैं। इनके संग आप व्हाइट या ब्लैक पेंट पेयर अप करें। हेयर स्टाइल को आप पौनी लुक दें और मेकअप को थोड़ा ग्लॉसी टच दें। ऐसी कुर्तियां ऑनलाइन और ऑफलाइन आप की तरह के कलर में आसानी से 400 से 700 तक की कीमत में मिल जाएंगी।

साटन फैब्रिक लांग काफ्तान कुर्ती

हिना खान की साटन फैब्रिक डार्क ब्लू कुर्ती एथनिक और वेस्टर्न का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। इस कुर्ती पर वी डिजाइन में गोल्डन कलर से थ्रेड वर्क किया गया है। साथ ही, साइड में डोरी दी गई है जिससे आप अपने अकॉर्डिंग कमर से ढीला और टाइट कर सकती हैं।

कार्नर न्यूज

घर से बाहर के होना चाहिए खास ड्रेस

बीच, हिल स्टेशन हो या इंटरनेशनल ट्रिप- हर लोकेशन के लिए परफेक्ट हैं ऐसे आउटफिट्स

हर लड़की अपनी शादी के लिए बेहद उत्साहित रहती है। इसके लिए वो महीनों पहले से खरीदारी भी शुरू कर देती हैं। शादी के साथ-साथ लड़कियां शादी के बाद की प्लानिंग भी पहले से कर लेती हैं। खासतौर पर बात करें हनीमून की तो ये ऐसा वक्त होता है, जब शादी की कपल शादी की थकान उतारने और एक-दूसरे के साथ समय व्यतीत करने के लिए घूमने जाता है। इस दौरान लड़कियां अपने लुक्स पर भी काफी ध्यान देती हैं। यदि आप भी हनीमून पर जा रही हैं तो उसके लिए खरीदारी करनी होगी। ऐसे में हम आपको कुछ लेटेस्ट और स्टाइलिश आउटफिट आपको दिखाने जा रहे हैं, जिससे टिप्स लेकर आप शॉपिंग कर सकते हैं।

को-ऑर्ड सेट लुक

कुछ कंफर्टेबल सा तलाश कर रही हैं तो ऐसा को-ऑर्ड सेट आपकी खूबसूरती में भी चार चांद लगा देगा, साथ ही में इसको पहनने से आपका लुक काफी स्टाइलिश भी लगेगा। इसे पहनते समय बस ध्यान रखें कि इसके साथ एक्सेसरीज अच्छी और क्लासी ही पहनें. वरना आपका लुक बिगड़ भी सकता है।

डेनिम शॉर्ट में ग्लैमरस लुक

कौन नहीं चाहता कि वो अपने हनीमून पर ग्लैमरस दिखे। इसके लिए आप डेनिम शॉर्ट्स कैरी कर सकती हैं। डेनिम शॉर्ट्स के साथ ब्रालेट और ऊपर से ओवरसाइज शर्ट आपके लुक में चार चांद लगा देगी। ध्यान रखें कि इस लुक के साथ पैरों में जूते या फिर स्लीपर पहनें। जूते पहाड़ों पर काम आएंगे, वहीं अगर बीच पर हैं तो स्लीपर ही पहनें।

डेनिम शॉर्ट में कूल अंदाज

डेनिम शॉर्ट्स को आप अलग अंदाज में भी कैरी कर सकती हैं। इसके लिए शॉर्ट्स के साथ टॉप कैरी करें। इस तरह की फिटेड टॉप आपके लुक में चार चांद लगा देगी। सुरभि की तरह आप अपने शॉर्ट्स के साथ जूते कैरी कर सकती हैं, इससे आपका लुक काफी कूल दिखेगा।

जींस-टीशर्ट लुक

यदि पार्टनर के साथ बाइक राइड पर जाना है तो कुछ और पहनने की जगह इस तरह की ब्लू फिटेड डेनिम जींस और साथ में व्हाइट रंग की टॉप कैरी करें। आपका ये लुक न सिर्फ देखने में स्टाइलिश लगेगा, बल्कि आप इसमें काफी कूल भी दिखेंगी।

ऑफ शोल्डर ड्रेस

हनीमून पर कपल्स डिनर डेट्स पर भी जाते हैं, ऐसे में आपको अपने लिए एक ऐसी ही ग्लैमरस ड्रेस भी खरीद लेनी चाहिए। ऐसी ड्रेस आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगी।